गुस्ताखी माफ

पहले सारे कार को, कहते थे बस कार।
ब्रांड बताकर देखिए, अब हो रहा प्रचार।
अब हो रहा प्रचार, खबर ही ऐसी आई।
बोलेरो थी खड़ी, थार इक आ टकराई।
कह साहिल कविराय, ब्रांड की करके चर्चा।
टैरिफ किया वसूल, निकल जाता है खर्चा।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 117 | FRIDAY 08-05-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

एसबीएस नगर में प्रॉपर्टी डीलर ने जहरीला पदार्थ निगल किया सुसाइड

कारोबारी ने मरने से पहले बनाया वीडियो, चार लोगों को ठहराया जिम्मेदार, लेकिन फिर भी 11 लोगों पर कर डाला पर्चा दर्ज, आखिर कैसे?

लुधियाना/यूटर्न/7 मई। लुधियाना रियल एस्टेट कारोबार काफी तंगी से गुजर रहा है। इस कारोबार में नामी कारोबारी शामिल है। चर्चा थी कि इस तंगी के कारण जल्द कारोबारी अपने हाथ खड़े कर सकते हैं। लेकिन बुधवार देर रात पक्खोवाल रोड स्थित एसबीएस नगर में एक प्रॉपर्टी डीलर द्वारा खुदखुशी करने के बाद इसे रियल एस्टेट सेक्टर में तंगी के नतीजे समझा जा रहा है। बेशक यह घटना बेहद दुखद है, लेकिन इस घटना ने प्रॉपर्टी सेक्टर के अंदरुनी सच और बनावटी प्रॉपर्टी तेजी का खुलासा कर दिया है। दरअसल, प्रॉपर्टी डीलर ने शकी हालातों में जहरीला पदार्थ निगलकर खुदखुशी कर ली। मरने से पहले डीलर ने एक वीडियो बनाया। जिसमें इसका जिम्मेदार चार लोगों को ठहराया और कहा कि इन लोगों ने उसके पैसे हड़प लिए, जिससे परेशान होकर वे खुद को खत्म करने जा रहा है। बेशक मृतक ने वीडियो में चार लोगों के नाम बोले, लेकिन फिर भी परिवार के बयानों पर पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जबकि यह लोग शहर के रियल एस्टेट कारोबारी, प्रॉपर्टी डीलर और लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के मुलाजिम है। 11 लोगों पर एफआईआर होने के बाद यह मामला लगातार चचाओं में बना हुआ है। मृतक की पहचान पहचान शहीद भगत सिंह नगर के रहने वाले रिंपी अनेजा (52) के रूप में हुई है। थाना दुगरी पुलिस ने जसलीन कौर की शिकायत पर लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के मुलाजिम हरप्रीत सिंह, राजेश बंसल, विनोद स्याल, पंकज गुप्ता, खुशवंत सिंह, प्रॉपर्टी डीलर रिशमजीत सिंह, प्रॉपर्टी डीलर अजीत सिंह स्वराज, मंजू गोयल, अनिल कुमार, रनवीर कौर गिल और वरुण गोयल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मृतक रिंपी अनेजा की फाइल फोटो

मरने से पहले मृतक ने बनाई वीडियो

जहरीला पदार्थ निगलने के बाद किया सूचित

शिकायतकर्ता ने बताया कि छह मई को करीब साढ़े चार बजे रिंपी ने कार में बैठकर जहरीला पदार्थ निगल लिया। जिसके बाद उसने वीडियो बनाई और उसमें चार आरोपी राजेश बांसल, विनोद सियाल, हरप्रीत सिंह और खुशवंत सिंह को इसका जिम्मेदार बताया। वहीं उसने वीडियो में सुसाइड नोट समेत अन्य प्रूफ कार के डैशबोर्ड में रखने की बात कही। जिसके बाद उसने शिकायतकर्ता को फोन करके जहरीला पदार्थ खाने की सूचना दी। पता चलने पर रिश्तेदार चरणजीत सिंह मौके पर पहुंचे और रिंपी को डीएमसी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृतक घोषित कर दिया।

पैसे हड़पने के बाद कर रहे थे टाल मटोल

शिकायतकर्ता जसलीन कौर ने बताया कि उनके पति परविंदर सिंह उर्फ रिंपी अनेजा प्रॉपर्टी डीलर थे। वह पिछले काफी समय से परेशान रह रहे थे। जब उन्हें परेशान रहने के कारण पूछा जाता था तो वह कहते थे कि उन्होंने उक्त आरोपियों से करोड़ों रुपए लेने हैं, लेकिन वह पेमेंट नहीं दे रहे। शिकायतकर्ता के अनुसार कुछ समय पहले तो आरोपियों ने उनके पति को काफी जलील किया और कहा कि तू मर जा, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता।

अलग अलग कारोबार से जुड़े हैं आरोपी

शिकायतकर्ता के अनुसार सभी आरोपी अलग अलग कारोबार से जुड़े हैं। आरोपी पंकज गुप्ता लुधियाना के नामी पक्खोवाल रोड स्थित कीज होटल का मालिक है, वहीं हरप्रीत सिंह लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के मुलाजिम है। इसके अलावा रिश्मजीत सिंह गाभा प्रॉपर्टी डीलर, अजीत सिंह सवराज प्रॉपर्टी डीलर का मालिक है। जबकि बाकी के आरोपी संजू गोयल, अनिल कुमार, राजेश बांसल, विनोद सियाल, खुशवंत सिंह, रनवीर कौर गिल और अनिल कुमार भी कारोबारी और नामी लोग हैं।

एलआईटी के साथ मिलकर किया जाता था कारोबार

चचाएं हैं कि मृतक रिंपी अनेजा व बाकी प्रॉपर्टी डीलर आरोपियों द्वारा लुधियाना इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के जरिए कारोबार किया जाता था। रिंपी अनेजा प्रॉपर्टी कारोबार में मास्टर माने जाते थे। कई लोग ट्रस्ट से जमीनें खरीदते थे और कइयों को प्लॉट अलॉट होने होते थे। लेकिन उक्त लोग सरकारी लीटिगेशन से बचने और विभागों के चक्कर लगाने से गुरेज करते हुए अपने प्लॉट बाहर बेच देते थे। जिसे रिंपी अनेजा समेत अन्य डीलर खरीद लेते थे। फिर उसे आगे महंगे दाम पर दूसरे के नाम करवा दिया जाता था। इसमें विभाग के मुलाजिम भी शामिल होते थे। ट्रस्ट में चेयरमैन तरसेम सिंह भिंडर के बनने पर यह प्रॉपर्टियों के हेरफेर का कारोबार बंद हो गया। उन्होंने पूरा काम पारदर्शी कर दिया। शायद इसी के चलते उनके कार्यकाल की अवधि बढ़ाई गई थी। ट्रस्ट से काम न होने पर विवाद होने लगे।

कई और चेहरे आ सकते सामने

चर्चा है कि रिंपी अनेजा व बाकी डीलर आरोपियों के जरिए कई धन्नासेठों, डॉक्टरों, फाइनेंसरों और बिजनेसमैन द्वारा पैसा इन्वेस्ट कर रखा था। जिसके जरिए वे मोटा मुनाफा कमाते थे। चर्चा है कि अगर मामले की सही से जांच होती है तो कई और चेहरे भी सामने सकते हैं।

कई ऐसे लोग नामजद किए, जो लंबे समय थे दूर

वहीं रिंपी द्वारा वीडियो में चार लोगों के नाम लेने के बावजूद 11 लोगों पर मामला दर्ज करने की बात लोगों को हजम नहीं हो रही। लोगों का कहना है कि शायद रिंपी की पत्नी द्वारा उसके कारोबार में शामिल रहे नए पुराने सभी दोस्तों के नाम लिखवा दिए हैं। वहीं शायद रिंपी के मोबाइल की कॉल लिस्ट में शामिल लोगों के नाम लिखवाने पर 11 के खिलाफ मामला दर्ज हो गया। वहीं नामजद हुए लोगों के कई करीबियों का यह तक आरोप है कि वह पिछले डेढ़-दो साल से रिंपी के संपर्क में ही नहीं थे। ऐसे में वे आरोपी कैसे हो सकते हैं, यह सवाल खड़ा होता है।

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध - राज्य निर्वाचन आयुक्त

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री देवेंद्र सिंह कल्याण ने कहा कि आयोग स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने 6 मई 2026 को कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन का उल्लेख करते हुए कहा कि नगर निगम पंचकूला की मतदाता सूची में 17,086 मतदाताओं की प्रविष्टियों को डुप्लीकेट अथवा एक ही नाम से बताया गया था। उन्होंने कहा कि उक्त ज्ञापन में लगभग 17 हजार प्रविष्टियों का उल्लेख किया गया, जबकि केवल 8543 मतदाताओं की सूची ही उपलब्ध करवाई गई।

उन्होंने कहा कि यद्यपि यह ज्ञापन निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त हुआ है, विशेष रूप से तब जबकि राजनीतिक दल निर्धारित अवधि के भीतर दावा, आपत्ति अथवा अपील प्रस्तुत कर सकते थे, फिर भी मतदाता सूचियों की शुचिता बनाए रखने के उद्देश्य से उक्त ज्ञापन का संज्ञान लिया गया है। उपायुक्त पंचकुला को ऐसे प्रविष्टियों का पुनः सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें। उक्त 8543 प्रविष्टियों की जांच-पड़ताल के उपरांत, ज्ञापन में दिए गए तथ्यों की जांच करते हुए उपायुक्त को विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पूरी सावधानी एवं गंभीरता बरती गई है, फिर भी आयोग किसी भी संभावित त्रुटि को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन तक पूरी प्रक्रिया उपायुक्त की निगरानी में संपन्न होती है तथा मतदाता सूची में प्रविष्टियां दर्ज करने में किसी भी राजनीतिक दल की कोई भूमिका नहीं होती। राजनीतिक दल केवल दावा, आपत्ति एवं आवश्यक होने पर अपील प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 16 फरवरी 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार 28 फरवरी 2026 को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची पर 7 मार्च 2026 तक दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं। संशोधन प्राधिकारी स्तर पर दावों एवं आपत्तियों के निस्तारण के बाद 16 मार्च 2026 तक उपायुक्त के समक्ष अपील दायर की जा सकती थी।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की तैयारी एवं अंतिम प्रकाशन के दौरान सभी हितधारकों, जिनमें राजनीतिक दल भी शामिल हैं, को उचित अवसर प्रदान किया गया था तथा अंतिम मतदाता सूची 27 मार्च 2026 को सभी राजनीतिक दलों को भेज दी गई थी। इसके बावजूद अधिसूचना में निर्धारित अवधि के दौरान किसी भी राजनीतिक दल द्वारा डुप्लीकेट अथवा एक जैसे मतदाताओं संबंधी कोई आपत्ति या सूची उपलब्ध नहीं करवाई गई। साथ ही, 22 अप्रैल 2026 को आयोजित सर्वदलीय बैठक में भी कांग्रेस पार्टी द्वारा इस संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया गया।

Uturn Time 08 May 2026_Layout 2 07-05-2026 23:13 Page 2

PAU में सियासत हावी? पेड़ कटाई, मैस विवाद और रिसर्च लीक कई मुद्दों अंदरूनी खींचतान

वाइस चांसलर की नियुक्ति के चार महीने पहले ही कैंपस में हलचल का दौर शुरू

अशोक सहगल

लुधियाना यूटर्न 7 मई। पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर की नियुक्ति के 4 महीने पहले ही यूनिवर्सिटी में इस नियुक्ति को लेकर काफी गहमागहमी शुरू हो गई है इसी कड़ी में किसी ने गवर्नर को पत्र लिखकर वर्तमान वाइस चांसलर को एक्सटेंशन ना देने की बात कर डाली हालाकि पत्र को लेकर यूनिवर्सिटी में काफी चचाएं जारी है और इस पत्र की जांच शुरू हो गई है जिसे लेकर आज भी माहौल काफी सरगर्म रहा।

मैस के खाने में निकले कीड़े, पर दबा दिया मामला...15 नंबर हॉस्टल में खाने में कीड़े निकालने पर खूब हो हल्ला किया गया परंतु बाद में राजनीतिक हस्तक्षेप से इस मामले को दबा दिया गया इसके लिए जिला स्वास्थ्य विभाग को सैंपल करने के लिए नहीं कहा गया बताया जाता है कि मैस में किसी राजनीतिक के करीबी की बेनामी हिस्सेदारी है।

Banwarilal Purohit

Subject: Appointment of Vice Chancellor of Punjab Agricultural University, Ludhiana

Dear Chief Minister,

[illegible]

(Banwarilal Purohit)

Dr. Bhagwant Mann,
Chief Minister,
Punjab

ब्यूटीफिकेशन के नाम पर पेड़ों को काटने का मामला

यूनिवर्सिटी में ब्यूटीफिकेशन को लेकर पेड़ों को काटने का मामला फिर से चर्चा में आ गया है इसके तहत 94 पेड़ों को काटने की योजना बनाई गई थी ताकि सड़कों को खुला कर दिया जाए जिसे लेकर यूनिवर्सिटी में स्टूडेंटस और कर्मचारियों द्वारा विरोध शुरू हो गया हालांकि एस्टेट अफसर द्वारा भी इस कार्य के लिए मंजूरी दे दी गई थी और इस सिलसिले में वन विभाग तथा संबंधित अधिकारियों को पत्र लिख दिया था। सूत्र बताते हैं कि फिर भी कुछ पेड़ों की पहले छटनी कर दी गई और बाद में उसे काट दिया गया।

नियुक्तियों में सरकारी हस्तक्षेप से नहीं इनकार

पंजाबी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों का मानना है कि विभिन्न विभागों में नियुक्तियों को लेकर सरकारी हस्तक्षेप सदैव रहता है क्योंकि वाइस चांसलर की नियुक्ति भी सरकार द्वारा ही की जाती है ऐसे में किसी अपॉइंटमेंट में अगर सरकारी स्तर पर हस्तक्षेप होता है तो वह मान्य होता है इसमें किंतु परंतु नहीं सुनी जाती।

रिसर्च होती है यूनिवर्सिटी में, बीज होते हैं बाजार में लॉन्च

पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का विश्व भर में आदर्श से नाम लिया जाता है परंतु यूनिवर्सिटी के भीतर जो रिसर्च कार्य चलते हैं उसकी फाइंडिंग बाजार में लॉन्च हो जाती है यानी यूनिवर्सिटी जो अधिक पैदावार को लेकर बीज तैयार करती है उसकी ब्रीडिंग यूनिवर्सिटी में से चोरी हो जाती है और बाहर वाले उन बीजों को पहले ही लॉन्च कर देते हैं। इसी तरह अगर यूनिवर्सिटी में नर्सरी की हालत देखी जाए तो लोगों को अधिकतर फूलों की किसमे नहीं मिलती जबकि यूनिवर्सिटी के भीतर सजावट के लिए हर चौक में से फूल मिल जाते हैं यह यूनिवर्सिटी की नर्सरी में नहीं होते। यहां तक कि कर्मचारियों को भी अपने घरों में फूलों के पौधे लगाने के लिए यूनिवर्सिटी के सामने स्थित मार्केट में से फूलों की पनीरी लानी पड़ती है।

राज्यपाल की नहीं मुख्यमंत्री की चलती है वीसी की तेनाती में

पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर की पोस्ट को राजनीतिक पोस्ट कहा जाता है क्योंकि इसमें राज्यपाल की नहीं सरकार द्वारा गठित बोर्ड का फैसला ही मान्य होता है इसलिए बोर्ड की मीटिंग में फैसला किया जाता है कि वाइस चांसलर किसे लगाया जाए अगर सरकार द्वारा गठित बोर्ड में कोई सदस्य एतराज पेश कर दे फिर उसके बाद यह मामला राज्यपाल के पास जाता है अथवा सरकार इस पोस्ट का फैसला करती है।

यूनिवर्सिटी का माहौल हो चुका है राजनीतिक

पी ए यू का माहौल पूरी तरह राजनीतिक हो चुका है इसलिए वहां पर धड़ेबंदी सामान्य हो गई है हर विषय के आगमन और रुखसत होने के समय कैंपस में राजनीतिक माहौल सरगर्म हो जाता है बताया जाता है की जैसी सरकार आती है माहौल उसके अनुरूप हो जाता है और इस सरकार से संबंधित धड़ा सक्रिय हो जाता है जिस यूनिवर्सिटी के कामकाज में भी असर पड़ता है इसका जिम्मेदार संबंधित सरकारों को माना जाता है।

यूनिवर्सिटी में नियुक्तियां होती है मैरिट के आधार पर बलदेव सिंह

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के नॉन टीचिंग स्टाफ के प्रधान बलदेव सिंह वालिया ने कहा कि उनके अनुभव में यह आया है कि जो नियुक्तियां वाइस चांसलर के अधीन है वह मेरिट के आधार पर हो रही है उन्होंने बताया कि हाल ही में 170 बेलदारो और मैसेंजरो की नियुक्ति के समय भी सिफारिशो को नहीं माना गया और यूनियन के सदस्यों को भी कमेटी में रखा गया और नियुक्तियों में पूरी पारदर्शिता रखी गई।

चंडीगढ़ में ईडी रेड : हवाला से क्रिप्टो तक नेटवर्क, ईडी जांच में खुली बड़ी साजिश

चंडीगढ़/यूटर्न/7 मई। ईडी ने कथित ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी लाइसेंस धोखाधड़ी मामले में मोहाली और चंडीगढ़ में 12 जगहों पर छापेमारी की। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार सुबह चंडीगढ़ और मोहाली में लगभग एक दर्जन जगहों पर छापेमारी शुरू की, जिससे एक बड़े वित्तीय धोखाधड़ी मामले से कथित तौर पर जुड़े कई हाई-प्रोफाइल बिल्डरों पर उसकी पकड़ और मजबूत हो गई है। ईडी की कई टीमों ने कड़ी सुरक्षा के बीच एक साथ तलाशी अभियान चलाया। मोहाली में यह हाई-वोल्टेज ऑपरेशन तब एक नाटकीय मोड़ पर पहुंच गया, जब कथित तौर पर छापेमारी वाली इमारतों में से एक में अफरा-तफरी मच गई। जांचकताओं के अनुसार, यह छापेमारी 'वेस्टर्न टावर्स' में रहने वाले एक आईटी पेशेवर के घर पर हुई। तलाशी के दौरान, कथित तौर पर नोटों की गड्डियों से भरे दो बैग इमारत के परिसर में नीचे फेंक दिए गए।

कई कंपनियों के कार्यालय में हुई जांच

ईडी सूत्रों ने बताया कि अजय सहगल के स्वामित्व वाली सनटेक सिटी के कार्यालय के साथ-साथ एबीएस टाउनशिप्स प्राइवेट लिमिटेड, ऑल्टस बिल्डर्स और धीर कंस्ट्रक्शंस के कार्यालयों में भी तलाशी ली गई। इसके अलावा, चंडीगढ़ के सेक्टर 16 और पटियाला में कई जगहों पर भी छापेमारी की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छापेमारी के दौरान नौवीं मंजिल से कथित तौर पर 500 रुपये के नोटों से भरे बैग नीचे फेंक दिए गए। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि जब ईडी की टीमें इमारत के अंदर तलाशी ले रही थीं, तो उन्होंने इमारत से नोटों की गड्डियों को नीचे गिरते हुए देखा।

मौका का वीडियो आया सामने

मौके से सामने आए एक वीडियो में कथित तौर पर नकदी से भरे दो बैग जमीन पर पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि 500 रुपये के नोटों की गड्डियां आसपास बिखरी हुई हैं। शुरूआती अनुमानों के मुताबिक, बरामद की गई नकदी की कीमत लगभग 25 लाख रुपये हो सकती है। सूत्रों ने खुलासा किया कि ईडी की यह कार्रवाई 'ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी' (GMADA) से 'जमीन के उपयोग में बदलाव' (CLU) के लाइसेंस हासिल करने से जुड़े एक कथित बड़े घोटाले से संबंधित है। इस मामले में यह आरोप भी शामिल है कि संदिग्ध धोखाधड़ी वाले सौदों के जरिए आम लोगों से सैकड़ों करोड़ रुपये की ठगी की गई।

शिकायतें मिलने के बाद जांच शुरु की

कथित तौर पर, इस मामले से जुड़ी कई शिकायतें मिलने के बाद केंद्रीय एजेंसी ने ये छापेमारी शुरू की थी। इस अभियान के दौरान, ईडी के अधिकारियों ने मामले से जुड़े दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड, संपत्ति के कागजात और संदिग्ध अवैध लेनदेन की बारीकी से जांच की। अब उम्मीद है कि अधिकारी अपनी जांच को और तेज करेंगे, क्योंकि जांचकर्ता कथित 'मनी ट्रेल' (पैसे के लेन-देन के रास्ते) को जोड़ने में जुटे हुए हैं। ईडी ने अभी तक इन छापों के संबंध में कोई आधिकारिक और विस्तृत बयान जारी नहीं किया है।

करिप्टो करंसी में कनवर्ट किया जा रहा था पैसा

वहीं चर्चा है कि इस जांच के दौरान ईडी को कई अहम दस्तावेज मिले है। चर्चा है कि उक्त कारोबारी द्वारा हवाला का कारोबार भी किया जा रहा था। जिसकी और से हवाला का सारा पैसा करिप्टो करंसी में कनवर्ट किया जा रहा था। चर्चा है कि वह एक बड़े राजनेता का भी करीबी है। सूत्रों के अनुसार कारोबारी पर पैमला एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

लुधियाना

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

03 शुक्रवार, 08 मई 2026

पेज 06 डेराबस्सी के सारधा माता मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव...

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही प्रवासियों का पलायन, पंजाब के लिए बन सकती है बड़ी चुनौती

लेबर शॉटेज की कमजोरी इंडस्ट्री को पड़ सकती है महंगी, फूंक फूंक रखने होंगे कदम

अशोक सहगल

लुधियाना यूटर्न 7 मई। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही टेक्सटाइल के क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है बताया जाता है इनमें से अधिकतर मजदूरो मे बांग्लादेशी व अन्य लोग शामिल होने की चचाएं है संभव है की इनके पास भारतीय नागरिकता भी ना हो है ,

क्योंकि बंगाल टेक्सटाइल सैक्टर की बड़ी मंडी है ऐसे में पलायन करने वाले प्रवासीयो में कारीगरों की भी बड़ी संख्या हो सकती है इसलिए ये लोग बंगाल छोड़ने के बाद ऐसे राज्यों का रुख कर सकते हैं जहाँ भाजपा की सरकार ना हो ! गौरतलब है की पश्चिम बंगाल टेक्सटाइल और सस्ते गारमेंट का हब माना जाता है ! दूसरी और पंजाब भी फैशन एवं क्वालिटी गवर्नमेंट की बड़ी मंडी है ऐसे में दोनों राज्यों के कारोबारियों में पहले ही अच्छे कारोबारी सम्बन्ध कायम है ! वहीं पंजाब इंडस्ट्री वर्तमान समय में बड़े लेबर संकट से गुजर रही हैं इसलिए मुंकिन है की बंगाल से निकले प्रवासी कारीगरों के रूप में पंजाब की इंडस्ट्री को अपनी नई कर्मभूमि बना लें . ऐसे में आने वाले लोगों की मंशा जानने बिना नौकरी देना समझदारी नहीं होगी ल इसलिए आगामी समय में किसी भी बड़ी अनहोनी पर नियंत्रण रखने को नए कर्मचारियों को रखने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन को अनिवार्य बनाना होगा अन्यथा आने वाले समय में यह उद्योगपतियों के लिए गले की फांस बन सकते हैं। इनमें से कहीं टेक्सटाइल इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं मजदूर बेहतर आर्थिक संभावनाओं को देखते हुए भारत छोड़ना नहीं चाहते और उन राज्यों की ओर पलायन कर सकते हैं जहां बीजेपी नहीं है।

बंगाली कारीगर लौटने लगे घर

23 अप्रैल को पहले चरण के मतदान से पहले ही, डर और दबाव के कारण हजारों प्रवासी मजदूर वापस बंगाल लौट आए थे। वे अपनी नागरिकता साबित करने के लिए मतदान को जरूरी मान रहे थे। बताया जाता है कि बंगाल से हजारों लोग अन्य राज्यों में कामकाज की तलाश में पलायन कर चुके थे जिनमे गुजरात दिल्ली तथा अन्य कई प्रदेश शामिल है है अपनी वोट के अधिकार को बचाने के लिए वह वापस बंगाल लौट आए और उन्होंने जमकर भाजपा के पक्ष में मतदान किया। इससे पहले कम्युनिस्ट पार्टी के दौर से इनका पलायन होना शुरू हो गया था भाजपा ने दी थी चेतावनी प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान 45 दिनों के भीतर सीमा को सील करने और 'घुसपैठियों' को बाहर निकालने की गारंटी दी थी।

भाजपा की सरकार में निवेश की बढी उम्मीद

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही प्रदेश में भारी निवेश की संभावना भी प्रबल हो गई है जिससे टेक्सटाइल सहित अन्य इंडस्ट्री को और बल मिल सकता है

डिटेक्ट, डिलीट, डिपोर्ट के नारे ने किया काम

चुनाव के दौरान अवैध घुसपैठ को लेकर भाजपा के प्रसिद्ध नारे डिटेक्ट डिलीट डिपोर्ट में इसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा की जिसके फल स्वरुप भाजपा के सरकार में आते ही पलायन का दौर शुरू हो गया

रिवर्स पलायन भी हुआ शुरू

भाजपा की जीत के बाद, 5-6 मई 2026 की रिपोर्टों के अनुसार, पश्चिम बंगाल की भारत-बांग्लादेश सीमा पर हलचल बढ़ गई है। जिसका कारण कई अवैध अप्रवासी भाजपा की कथित सख्त आईडी जांच और नागरिकता संबंधी चिंताओं के कारण वापस बांग्लादेश की ओर जाना शुरू कर दिए।

सुरक्षा और रोजगार के वादे से बंगाली मजदूर लौटने लगे घर

नई भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज को खत्म करने तथा राज्य में ही रोजगार के अवसर पैदा करने का वादा किया है, ताकि बंगाली मजदूरों को काम के लिए अन्य राज्यों में पलायन न करना पड़े।

शुकराना रैली के दौरान सांसद अमृतपाल की मां ने सीएम का हाथ पकड़ा, पूछा- मेरे बेटे को पंजाब क्यों नहीं ला रहे

अमृतसर/यूटर्न/7 मई। अमृतसर में गुरुवार को सीएम भगवंत मान की शुकराना यात्रा के दौरान खडूर साहिब से सांसद व खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह की मां ने उनसे सवाल पूछे। सांसद की मां बलविंदर कौर ने सीएम को दो-तीन बार आवाज लगाई। जब सीएम का ध्यान बलविंदर कौर की ओर गया, तो उन्होंने गाड़ी से नीचे झुककर उनकी बात सुनने की कोशिश की। तभी बलविंदर कौर ने सीएम का हाथ पकड़कर कहा- मैं अमृतपाल की मां हूं। सीएम साहब, आप भी किसी मां के बेटे हैं। मेरे बेटे की ठरअ (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) हटने के बाद भी उसे पंजाब क्यों नहीं लाया

जा रहा? इतने में सीएम हाथ छुड़वाते हुए पीछे हट गए। इस दौरान अमृतपाल समर्थकों ने सीएम के खिलाफ नारेबाजी भी की और मुदार्बाद के नारे लगाए। हालांकि, सीएम मान अपने तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ गए और यात्रा जारी रखी। अमृतपाल सिंह फिलहाल असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। उन पर लगा ठरअ 22 अप्रैल को खत्म हो चुका है। इसके बावजूद वह जेल में हैं, क्योंकि उनके खिलाफ अन्य मामले अभी भी चल रहे हैं।

अजनाला हिंसा केस अभी जारी

अमृतपाल सिंह पर फरवरी 2023 में अजनाला पुलिस थाने में हुए हमले का केस दर्ज है। आरोप है कि वह अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचे थे और एक साथी को छुड़ाने की कोशिश की थी। इस मामले में हत्या के प्रयास (धारा 307) समेत कई गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने इस केस में अमृतपाल सिंह और उनके 41 साथियों को आरोपी बनाया है। हाल ही में उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अजनाला कोर्ट में पेश किया गया था, जहां अदालत ने उन्हें 30 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए थे। पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार से मांग की है कि अमृतपाल सिंह को असम की डिब्रूगढ़ जेल में ही रखा जाए। सरकार का कहना है कि उन्हें पंजाब लाने से राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है, इसलिए सुरक्षा कारणों से यह जरूरी है।

एएनटीएफ ने 2.50 करोड़ की हेरोइन समेत 3 नशा तस्कर किए गिरफ्तार

लुधियाना/यूटर्न/7 मई। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) लुधियाना रेंज ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 512 ग्राम हेरोइन समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब ढाई करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपियों को एक काले रंग की थार गाड़ी सहित काबू किया। आरोपी से पुलिस टीम पूछताछ कर रही है कि वह नशा कहा से लेकर आए है और कहा सप्लाई करना था। सब इंस्पेक्टर पंकज भगत ने बताया कि अठळऋको गुप्त सूचना मिली थी कि अमृतसर जिले के कस्बा रैया के पास एक थार गाड़ी में कुछ लोग हेरोइन की सप्लाई देने जा रहे हैं। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस ने इलाके में स्पेशल नाकाबंदी की। इस दौरान संदिग्ध थार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें से 512 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

एक आरोपी पर पहले भी मामला दर्ज

पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान करमबीर उर्फ कालू निवासी तरनतारन, मनप्रीत उर्फ साहिल निवासी अमृतसर और साजनदीप उर्फ साजन निवासी तरनतारन के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार आरोपी करमबीर पर पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत एक मामला दर्ज है। इसके अलावा उस पर मारपीट और झगड़े के दो अन्य केस भी दर्ज बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर तीन दिन का रिमांड हासिल किया है। पूछताछ के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि आरोपी इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन कहां से लाते थे और किन इलाकों में इसकी सप्लाई करते थे।

फरीदकोट में 3 स्कूल-कॉलेजों को बम धमकी, बच्चों को घर भेजा गया, पुलिस ने चलाया सर्च ऑपरेशन

फरीदरोट/यूटर्न/7 मई। फरीदकोट में मुख्यमंत्री भगवंत के आगमन से पहले तीन स्कूल-कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। इसके बाद जिला पुलिस द्वारा संबंधित शिक्षण संस्थानों को खाली करवाकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हालांकि अब तक किसी भी स्कूल या कॉलेज से कोई संदिग्ध या प्रतिबंधित वस्तु

बरामद नहीं हुई है। इस धमकी के बाद प्रशासन ने फरीदकोट और कोटकपूरा के लगभग सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान अपनी शुकराना यात्रा के तहत वीरवार को फरीदकोट और कोटकपूरा पहुंच रहे हैं। इसी दौरान ई-मेल के जरिए सादिक के सरकारी कन्या स्कूल, फरीदकोट के दशमेश पब्लिक स्कूल और दशमेश डेंटल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी दी गई।

पुलिस द्वारा गहन जांच की जा रही

धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। सादिक के सरकारी स्कूल को खाली करवाकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जबकि फरीदकोट के दोनों शिक्षण संस्थानों में भी पुलिस द्वारा गहन जांच की जा रही है।

एहतियात के तौर पर स्कूलों में छुट्टी-डीएसपी

इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए डीएसपी तरलोचन सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस द्वारा तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अब तक कोई भी संदिग्ध या प्रतिबंधित वस्तु बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एहतियात के तौर पर स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

पंचकूला पुलिस को बड़ी सफलता: 6 साल से फरार नशा तस्कर गिरफ्तार, 1 किलो गांजा के साथ हुआ था काबू

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/07 मई। नगर निगम चुनाव के बीच पंचकूला पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए छह साल से फरार चल रहे एक भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को वर्ष 2020 में घग्गर नदी के पास 1 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा गया था, लेकिन बाद में वह कानूनी प्रक्रिया के दौरान फरार हो गया था। अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किए जाने के बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमारिंदर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। वर्ष 2020 में डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने सेक्टर-27/28 कट के पास घग्गर नदी के समीप नाकाबंदी के दौरान आरोपी को 1 किलो गांजा के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में आरोपी अदालत में पेशियों के दौरान फरार हो गया था। लगातार गैरहाजिर रहने पर अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। पुलिस के अनुसार, डिटेक्टिव स्टाफ के इंचार्ज इंस्पेक्टर निर्मल सिंह के नेतृत्व में टीम लगातार नशा तस्करों पर कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना और तकनीकी सहायता के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपी कृष्ण कुमार को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को संबंधित अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। डीसीपी अमरिंदर सिंह ने कहा कि नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और नशामुक्त तरीके से संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान नशा तस्करों, शराब तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों पर पुलिस की कड़ी नजर है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विजय ने तमिलनाडु में सरकार बनाने का दावा पेश किया, लेकिन अपने पत्ते नहीं खोले

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। एक्टर से नेता बने विजय, जिन्होंने DMK और AIADMK की दशकों पुरानी दो-दलीय राजनीति को तोड़कर एक शानदार राजनीतिक शुरूआत की है, उन्होंने गुरुवार को राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की और तमिलनाडु में अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि गवर्नर पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (TVK) के पास अभी बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार करने के लिए जरूरी संख्या है। उम्मीद है कि कोई औपचारिक फैसला लेने से पहले वे और ज्यादा स्पष्टता का इंतजार करेंगे।

चुनाव नतीजों में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत न मिलने के बाद विजय ने बुधवार को पहली बार गवर्नर से मुलाकात की थी। 234 सदस्यों वाली विधानसभा में ळश्ड 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जो बहुमत के आंकड़े (118) से सिर्फ 10 सीटें कम हैं। पांच सीटों वाली 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' ने पहले ही विजय को अपना समर्थन दे दिया है, जिससे उनकी सीटों की कुल संख्या 113 हो गई है। ळश्ड के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि पार्टी उन अन्य सहयोगी दलों के समर्थन पर भी भरोसा कर रही है जो पारंपरिक रूप से उट्ड के साथ जुड़े रहे हैं — जैसे 'भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी', 'भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)' और 'विदुथलाई चिरुथैगल काची' — जिनके पास कुल मिलाकर छह सीटें हैं। इन चुनाव नतीजों ने राज्य की स्थापित राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। DMK की सीटें घटकर 59 रह गईं, और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को भी अपने गढ़ 'कोलाथुर' में ळश्ड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अक्अउट्ड 47 सीटों पर सिमट गई और वह सत्ता-विरोधी लहर (anti-incumbency) का फायदा उठाने में नाकाम रही। तमिलनाडु में जो कुछ हुआ है, वह महज एक सामान्य चुनावी उलटफेर से कहीं ज्यादा बड़ी घटना है। यह दक्षिण भारत में आया एक 'राजनीतिक भूकंप' है। आधी सदी से भी ज्यादा समय तक, तमिलनाडु की राजनीति दो विशाल द्रविड़ पार्टियों के इर्द-गिर्द घूमती रही, जो अजेय प्रतीत होती थीं। विजय के उदय ने सिर्फ एक चुनाव में उस निश्चितता को तोड़ दिया है। भले ही TVK अंततः सरकार बना पाए या न बना पाए, लेकिन मतदाताओं का संदेश बिल्कुल स्पष्ट है: सिर्फ करिश्मा ही काफी नहीं होता; जब यह पुरानी और मजबूती से जमी हुई राजनीतिक व्यवस्थाओं के प्रति जनता की नाराजगी के साथ मिल जाता है, तो यह रातों-रात पूरे राजनीतिक नक्शे को बदल सकता है। दक्षिण भारत का सबसे स्थिर राजनीतिक किला अब अचानक से पूरी तरह से खुला हुआ नजर आ रहा है।

भाजपा को बम धमाकों से जोड़ने पर तरुण चुग का पलटवार, सीएम मान को मानहानि नोटिस

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 7 मई: भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मानहानि नोटिस भेजा है। यह नोटिस जालंधर और अमृतसर में हुए बम धमाकों को भाजपा से जोड़ने वाले बयान के बाद जारी किया गया है। चुग ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का बयान बिना किसी ठोस सबूत के दिया गया है और यह पूरी तरह 'झूठा, गैर-जिम्मेदाराना और मानहानिकारक' है।

उन्होंने सात दिनों के भीतर बयान वापस लेने और सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की है। चुग ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री अपने आरोप साबित नहीं कर पाते, तो भाजपा उनके खिलाफ आपराधिक और दीवानी मानहानि की कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सीमावर्ती राज्य में इस तरह के बयान सुरक्षा हालात को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने पंजाब में बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा कि लगातार हो रहे ग्रेनेड हमलों के पीछे विदेशी मॉड्यूल और कट्टरपंथी/समर्थित नेटवर्क की आशंका है, जिसकी पुष्टि पुलिस अधिकारियों द्वारा भी की गई है। चुग ने मुख्यमंत्री पर राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दों को भटकाने का आरोप लगाया और कहा कि अब अगला कदम अदालत में होगा।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर अरुण सूद को बधाई, महासभा ने जताई खुशी

चंडीगढ़, 06 मई। तीन राज्यों में भाजपा की शानदार जीत पर शहर में खुशी का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर उत्तर भारतीय महासभा के पदाधिकारियों ने चंडीगढ़ भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अरुण सूद से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी एवं उनका मुंह मीठा करवाया गया। महासभा के चेयरमैन सोनू गुप्ता, अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, रविंदर ठाकुर (महामंत्री), धीरज गुप्ता, सतीश जायसवाल, जावेद अंसारी, प्रकाश कुमार, उमेश कुमार, सुनीता सहित अन्य सदस्यों ने भाजपा की जीत पर खुशी जताई और इसे पार्टी की नीतियों व नेतृत्व पर जनता के भरोसे का परिणाम बताया। इस दौरान नेताओं ने कहा कि देशभर में भाजपा को मिल रहा जनसमर्थन विकास और सुशासन की नीतियों की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास भाजपा की जनहितकारी नीतियों और मजबूत नेतृत्व के प्रति लगातार बढ़ रहा है।

ढकोली में बढ़ती चोरियों से दहशत, घर के बाहर से स्प्लेंडर बाइक चोरी

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, रात 2 बजे चोर ने दिया घटना को अंजाम

जीरकपुर/यूटर्न/07 मई। ढकोली क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ताजा मामला दशमेश एनक्लेव का है, जहां आधी रात करीब 2 बजे एक चोर घर के बाहर खड़ी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी कर फरार हो गया। पूरी वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें आरोपी बाइक लेकर जाते हुए साफ दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार, चोरी हुई मोटरसाइकिल बैंक लोन पर खरीदी गई थी और उसकी किस्तें अभी चल रही थीं। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने कड़ी मेहनत से बाइक खरीदी थी, लेकिन इस घटना से उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ढकोली और आसपास के इलाकों में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे लोगों में डर और नाराजगी का माहौल है। निवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात के समय गश्त बढ़ाने और चोरी की वारदातों पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है। पीड़ित ने मामले की शिकायत संबंधित थाने में दर्ज करवा दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने और उसकी तलाश में जुटी हुई है। इलाके के लोग अब जल्द कार्रवाई की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

Uturn Time 08 May 2026_Layout 2 07-05-2026 23:13 Page 5

पेज 12 विदेश में बैठे गैंगस्टरों ने 12वीं के छात्र को हत्यारा बनाया....

भाजपा बनाम भगवंत मानः धमाकों पर बयान से बढ़ा विवाद, सीएम को भेजा मानहानि नोटिस

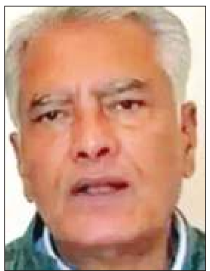

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। पंजाब में जालंधर और अमृतसर धमाकों को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा धमाकों के पीछे भाजपा का हाथ होने संबंधी बयान पर अब भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा कदम उठाते हुए उन्हें मानहानि का कानूनी नोटिस भेज दिया है। भाजपा ने मुख्यमंत्री से सात दिनों के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने और अपने आरोपों के सबूत पेश करने की मांग की है।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भगवंत मान ने बिना किसी प्रमाण के भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टी को बम धमाकों से जोड़कर मुख्यमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि यह बयान न केवल मानहानिकारक है, बल्कि पंजाब की कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित करने वाला है।

तरुण चुघ ने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान उनके ही डीजीपी के आधिकारिक रुख के विपरीत है। जहां पंजाब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां विदेशी नेटवर्क और आईएसआई कनेक्शन की जांच की बात कर रही हैं, वहीं मुख्यमंत्री राजनीतिक बयानबाजी में लगे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री पंजाब की सुरक्षा को गंभीरता से ले रहे हैं या राजनीतिक लाभ के लिए संवेदनशील मुद्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि देश जब 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर सेना के शौर्य को याद कर रहा था, उसी समय मुख्यमंत्री ने भाजपा पर आतंकवादी घटनाओं से जुड़े आरोप लगाकर करोड़ों लोगों की भावनाओं को आहत किया। पार्टी का कहना है कि अगर मुख्यमंत्री ने अपना बयान वापस नहीं लिया और सार्वजनिक माफी नहीं मांगी, तो उनके खिलाफ आपराधिक और दीवानी दोनों तरह की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस विवाद के बीच भाजपा ने पंजाब सरकार को घेरने की रणनीति भी तेज कर दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल आज पंजाब के डीजीपी से मुलाकात करेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल रहेंगे। भाजपा का कहना है कि पंजाब इस समय नशे, गैंगस्टर नेटवर्क, धमाकों और आर्थिक संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, लेकिन राज्य सरकार अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए भाजपा पर निराधार आरोप लगा रही है। वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से अभी तक भाजपा के नोटिस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

हल्लोमाजरा में एमसी कमिश्नर अमित कुमार का दौरा, जलभराव, सीवरेज और सड़क समस्याओं पर अधिकारियों को दिए निर्देश

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। नगर निगम चंडीगढ़ के कमिश्नर अमित कुमार ने बुधवार को हल्लोमाजरा क्षेत्र का विस्तृत दौरा कर इलाके में बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जलभराव, सीवरेज, सड़क और सार्वजनिक ढांचे से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दौरे के दौरान उनके साथ नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा, मनोनीत पार्षद नरेश पंचाल, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, एसडीई, जेई और स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने चंडीगढ़-अंबाला रोड के साथ स्थित निचले खाली भूखंड का भी दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को यूटी चंडीगढ़ के चीफ आर्किटेक्ट कार्यालय के साथ समन्वय कर कॉम्प्रिहेंसिव लैंड यूज प्लान (सीएलयूपी) तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही पार्षद को प्रस्तावित सामुदायिक उपयोग को लेकर औपचारिक प्रस्ताव भेजने के लिए कहा गया। जलभराव रोकने के लिए अंतरिम ड्रेनेज व्यवस्था का भी आकलन करने के निर्देश दिए गए। हल्लोमाजरा की गली नंबर-61 बी के निरीक्षण के दौरान अमित कुमार ने सीवरेज और बरसाती पानी की निकासी के लिए समग्र ड्रेनेज योजना तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसाती नालों में अवैध सीवरेज डिस्चार्ज की पहचान कर उसे मुख्य सीवरेज लाइन से जोड़ा जाए।

इसके अलावा शॉप नंबर-687 के पास सड़क निर्माण प्रस्ताव का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों को लाल डोरा सीमा की जांच के बाद गली में पक्की सड़क बनाने की संभावना पर रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया। दौरे के दौरान हल्लोमाजरा स्थित सरकारी स्कूल में भूमि की कमी का मुद्दा भी उठा।

कमिश्नर ने अधिकारियों को पहले नगर निगम की उपलब्ध जमीन पर स्कूल विस्तार की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। यदि उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं होती है, तो मामले को आगे विचार के लिए चंडीगढ़ प्रशासन को भेजा जाएगा। एमसी कमिश्नर अमित कुमार ने कहा कि नगर निगम शहर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध तरीके और जमीनी स्तर पर निगरानी के जरिए विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

अमृतपाल सिंह को हाई कोर्ट से राहत नहीं, दूसरे एनएसए को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। खडूर साहिब से सांसद और 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उनके खिलाफ लगाए गए दूसरे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि जिस निरोधात्मक आदेश को चुनौती दी गई थी, उसकी अवधि पहले ही समाप्त हो चुकी है, इसलिए अब इस मामले में किसी प्रकार का कानूनी आधार नहीं बचता। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि दूसरे एनएसए की अवधि अप्रैल 2025 से पहले ही खत्म हो चुकी थी। इसके बाद लगाया गया तीसरा एनएसए भी समाप्त हो चुका है। ऐसे में पुराने आदेश को चुनौती देने वाली याचिका अब केवल अकादमिक बहस बनकर रह गई है और इस पर आगे सुनवाई का कोई औचित्य नहीं है। अदालत ने माना कि जब संबंधित निरोधात्मक आदेश प्रभावहीन हो चुका हो और परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हों, तब ऐसे मामले में न्यायिक हस्तक्षेप का कोई व्यावहारिक महत्व नहीं रह जाता। इसी आधार पर कोर्ट ने लंबित याचिका को निरर्थक मानते हुए खारिज कर दिया।

गौरतलब है कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ पहली बार मार्च 2023 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाया गया था। इसके बाद अप्रैल 2023 में उन्हें असम की डिब्रूगढ़ जेल भेजा गया था। उस समय पंजाब पुलिस ने राज्यभर में बड़े स्तर पर कार्रवाई करते हुए अमृतपाल और उनके समर्थकों पर शिकंजा कसा था। पहले एनएसए की अवधि पूरी होने के बाद अप्रैल 2024 में पंजाब सरकार ने उन पर दूसरी बार एनएसए लगाया था। इसी दूसरे निरोधात्मक आदेश को अमृतपाल सिंह ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि मामला लंबित रहने के दौरान अप्रैल 2025 में उनके खिलाफ तीसरी बार भी एनएसए लागू कर दिया गया। तीसरे एनएसए को भी अदालत में चुनौती दी गई थी, लेकिन पिछले महीने हाई कोर्ट ने उस याचिका को भी खारिज कर दिया था। महत्वपूर्ण बात यह रही कि तीसरे एनएसए की अवधि समाप्त होने के बाद पंजाब सरकार ने आगे इसे नहीं बढ़ाया। अब हाई कोर्ट के ताजा फैसले के बाद अमृतपाल सिंह को कानूनी मोर्चे पर लगातार दूसरा झटका लगा है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि समाप्त हो चुके एनएसए आदेशों को चुनौती देने का अब कोई विधिक महत्व नहीं रह गया है।

मॉल रोड से भारत नगर चौक जाने वाली सड़क पर जाम होगा कम, सड़क को किया गया चौड़ा

लुधियाना/यूटर्न/7 मई। मंत्री संजीव अरोड़ा के प्रयासों एवं ट्रैफिक एडवाइजर राहुल वर्मा के मार्गदर्शन में मॉल रोड और भारत नगर चौक पर ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस संबंधी पार्षद नंदिनी मनू जैरथ ने कहा कि सड़क को चौड़ा करने के लिए सीवरेज बोर्ड से जमीन का एक हिस्सा लिया गया है, जिससे मॉल रोड से आने वाले वाहनों के लिए जगराओं पुल की ओर फ्री लेफ्ट टर्न संभव हो सकेगा। साथ ही, डिवाइडर को शिफ्ट कर मॉल रोड के प्रवेश को भी चौड़ा किया जा रहा है। इन सुधारों से इस व्यस्त क्षेत्र में ट्रैफिक का प्रवाह बेहतर होगा और जाम में कमी आएगी।

डेराबस्सी के सारधा माता मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू

9 मई को निकलेगी नगर परिक्रमा, 10 को विशाल भंडारा

डेराबस्सी/यूटर्न/07 मई। डेराबस्सी के सारधा माता मंदिर में श्री शिव शंभू महाराज की मूर्ति स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ 5 मई से विधि-विधान के साथ किया गया। पांच दिवसीय इस धार्मिक कार्यक्रम की शुरूआत भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन धीमान द्वारा की गई, जबकि गुरुवार को कार्यक्रम का दूसरा दिन रहा।

मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों के अनुसार, महोत्सव के तहत रोजाना पूजा-अर्चना, हवन और भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम के तहत 9 मई को भव्य नगर परिक्रमा निकाली जाएगी, जिसमें शिव शंभू महाराज की आकर्षक झांकी मुख्य आकर्षण होगी। वहीं 10 मई को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न की जाएगी।

इस अवसर पर मंदिर कमेटी के प्रधान राकेश अचिंत, चेयरमैन राकेश मेहता, सेक्रेटरी रजनीश मनी, कैशियर कुणाल कौशिक, वाइस प्रधान दीपक मग्गू, वाइस प्रधान दिनेश वैष्णव सहित तुषार कौशिक, संदीप भटनागर, सुमित वर्मा, प्रकाश कुमार, जतिन धीमान और भुवनेश चौहान समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कमेटी पदाधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे इस धार्मिक महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

नगर परिषद चुनाव के लिए भाजपा ने कसी कमर

जगरांव के सभी वार्डों में अकेले चुनाव लड़ेगी पार्टी

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/7/मई। आगामी नगर परिषद चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आज जी.टी रोड मलक चौक स्थित मुख्य कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में चुनावों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई और पार्टी की मजबूती को लेकर कई बड़े निर्णय लिए गए।

प्रमुख घोषणाएं और रणनीतियां: बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा ने की, जिसमें प्रदेश भाजपा द्वारा नियुक्त जगरांव नगर परिषद के प्रभारी और पंजाब युवा मोर्चा के सचिव अनुज खोसला विशेष रूप से उपस्थित हुए।

एकला चलो की रणनीति: अनुज खोसला ने स्पष्ट किया कि भारतीय जनता पार्टी जगरांव नगर परिषद का चुनाव अपने दम पर लड़ेगी।

सभी वार्डों पर दावेदारी: पार्टी जगरांव के सभी वार्डों में अपने उम्मीदवार उतारेगी। किसी भी वार्ड को खाली नहीं छोड़ा जाएगा।

साफ-सुथरी छवि को प्राथमिकता: उम्मीदवारों के चयन के लिए जमीनी स्तर पर काम जारी है। केवल साफ-सुथरी छवि वाले और जिताऊ उम्मीदवारों को ही टिकट दिया जाएगा।

पहली सूची जल्द: पार्टी ने संकेत दिए हैं कि योग्य उम्मीदवारों की पहली सूची बहुत जल्द जारी कर दी जाएगी।

जन-जन तक पहुँचेगी केंद्र की उपलब्धियां

अनुज खोसला ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ घर-घर जाकर केंद्र सरकार की जनहितकारी नीतियों और उपलब्धियों का प्रचार करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता के समर्थन से भाजपा इन चुनावों में शानदार जीत दर्ज करेगी।

बैठक में भारी संख्या में स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे: सुमीत अरोड़ा, एडवोकेट विक्रम शर्मा, राज वर्मा, कृष्ण कुमार, सतीश कुमार पप्पू, नवनीत गुप्ता शिशु, टोनी वर्मा, दर्शन गिल, एडवोकेट विवेक भारद्वाज, अनिल कुमार शंटी, राजपाल जैन, डॉ. निर्मल भुल्लर, सौरव गर्ग, सुरेश गर्ग, गौरव गुप्ता, राकेश कुमार हैप्पी, पुलकित लुंबा, कपिल प्रजापति, हरविंदर सिंह, प्रभजोत कौर, गुरतेज सिंह गेजा, प्रदीप शर्मा, प्रदीप खन्ना, आत्मा राम, सुखविंदर सिंह, दलजीत सिंह, दर्शन कुमार शम्मी और रजनीश कुमार राजू।

निष्कर्ष: इस बैठक ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा स्थानीय चुनावों को लेकर पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुकी है और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

महंगी गाड़ी और घर यानि स्टेटस सिंबल।

आज के दौर में महंगी गाड़ियाँ और बड़े घर केवल सुविधाओं के साधन नहीं रहे, बल्कि वे एक स्टेटस सिंबल बन गए हैं। इसका मुख्य कारण समाज में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और दिखावे की प्रवृत्ति है। लोग अपनी आर्थिक स्थिति और सफलता को दूसरों के सामने प्रदर्शित करना चाहते हैं, और इसके लिए वे महंगी चीजों का सहारा लेते हैं। सोशल मीडिया ने भी इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया है। लोग अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल की तस्वीरें और वीडियो साझा करते हैं, जिससे दूसरों पर भी वैसा ही जीवन जीने का दबाव बनता है।

परिणामस्वरूप, कई लोग अपनी आय से अधिक खर्च करने लगते हैं ताकि वे समाज में ऊँचा दर्जा दिखा सकें। इसके अलावा, आज के उपभोक्तावादी समाज में सफलता को अक्सर धन और भौतिक वस्तुओं से जोड़ा जाता है। अच्छे चरित्र, शिक्षा या नैतिक मूल्यों की बजाय अब महंगी गाड़ी और बड़ा घर ही व्यक्ति की पहचान बनते जा रहे हैं। हालांकि, यह सोच पूरी तरह सही नहीं है। असली सम्मान व्यक्ति के व्यवहार, ज्ञान और योगदान से मिलना चाहिए, न कि केवल उसकी संपत्ति से। हमें इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है और सादगी व संतुलन को अपनाना चाहिए।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

One-Sided Divorce (एकतरफा तलाक) कब मिल सकता है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

तलाक के मामलों में अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या एक पक्ष की इच्छा से, बिना दूसरे की सहमति के तलाक मिल सकता है? कानून इस स्थिति को "Contested Divorce" के रूप में मानता है। जब पति या पत्नी में से कोई एक तलाक चाहता है और दूसरा सहमत नहीं होता, तब एकतरफा याचिका अदालत में दायर की जाती है। लेकिन केवल इच्छा पर्याप्त नहीं होती—कानून के तहत निर्धारित grounds (आधार) साबित करने होते हैं।

इन grounds में मुख्य रूप से cruelty (क्रूरता), desertion (त्याग), adultery (व्यभिचार) आदि शामिल होते हैं।

याचिकाकर्ता को यह साबित करना होता है कि वैवाहिक संबंध जारी रखना उसके लिए संभव नहीं है। अदालत दोनों पक्षों को सुनती है, साक्ष्य (evidence) देखती है, और उसके बाद ही निर्णय लेती है। यह प्रक्रिया समय लेने वाली होती है और इसमें गवाह, दस्तावेज और विस्तृत सुनवाई शामिल होती है।

कई बार लोग यह सोचते हैं कि केवल आरोप लगाने से तलाक मिल जाएगा, जबकि अदालत ठोस प्रमाण और परिस्थितियों के आधार पर ही फैसला देती है। यह भी संभव है कि लंबी प्रक्रिया के दौरान दोनों पक्ष आपसी सहमति से मामला समाप्त कर दें और mutual divorce की ओर बढ़ जाएं।

निष्कर्ष: एकतरफा तलाक संभव है, लेकिन इसके लिए मजबूत कानूनी आधार और साक्ष्य आवश्यक होते हैं। केवल इच्छा नहीं, बल्कि प्रमाण ही निर्णय तय करते हैं।

हरियाणा सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत : आरती सिंह राव

खोरी कलां और खातोदड़ा में खुलेंगे नए स्वास्थ्य केंद्र

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री द्वारा नूंह जिला के गांव खोरीकलां तथा महेंद्रगढ़ जिला के गांव खातोदड़ा में दो नए स्वास्थ्य केंद्र खोलने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गांव खोरीकलां में उप-स्वास्थ्य केंद्र (सब हेल्थ सेंटर) तथा गांव खातोदड़ा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्थापित किया जाएगा। इन स्वास्थ्य केंद्रों के शुरू होने से आसपास के गांवों के हजारों लोगों को बेहतर और समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक को उसके नजदीक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि लोगों को उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों में न जाना पड़े। नए स्वास्थ्य केंद्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, सामान्य रोगों का उपचार, प्राथमिक जांच तथा आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए निरंतर नए अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र और चिकित्सा सुविधाएं विकसित कर रही है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है, जिससे आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने विश्वास जताया कि इन नए स्वास्थ्य केंद्रों के शुरू होने से नूंह और महेंद्रगढ़ जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और अधिक मजबूत होगी तथा लोगों को राहत मिलेगी।

स्मार्ट सिटी के दावों की खुली पोलः मार्किट कमेटी की लापरवाही से दाना मंडी बना डंपिंग ग्राउंड

मिलन

लुधियाना/यूटर्न/7 मई। स्मार्ट सिटी के दावों के बीच लुधियाना महानगर के बहादुरके रोड़ स्थित दाना मंडी के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। यहां कूड़े के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं, जो दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं और पूरे क्षेत्र को एक अवैध डंपिंग ग्राउंड में तब्दील कर चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि सफाई और रखरखाव के नाम पर हर साल लाखों रुपये के ठेके दिए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। मौके पर फैली गंदगी साफ दर्शाती है कि या तो काम हो नहीं रहा या फिर केवल कागजों में ही दिखाया जा रहा है। यह इलाका मार्किट कमेटी सलेम टाबरी के अधीन आता है और स्थानीय लोगों का सीधा आरोप है कि यह स्थिति सिर्फ और सिर्फ अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा है। समय-समय पर शिकायतें दिए जाने के बावजूद भी कोई स्थायी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे कूड़े के ढेर लगातार बढ़ते चले गए।

अधिकारियों पर मिलीभगत के आरोप

कुछ स्थानीय निवासियों का यह भी कहना है कि यह स्थिति केवल लापरवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि अधिकारियों और संबंधित लोगों के बीच कथित सेटिंग होने की आशंका भी जताई जा रही है, जिसके चलते अवैध रूप से कूड़ा डंप किया जा रहा है और उस पर कोई रोक नहीं लगाई जा रही। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार बिगड़ती स्थिति इन सवालों को और मजबूत कर रही है। पूरे क्षेत्र में फैली बदबू के कारण लोगों का जीना दूभर हो गया है।

लोगों को गुजरना हुआ मुश्किल

यहां से गुजरना भी मुश्किल हो गया है। कई बार कूड़े के ढेर में आग लगने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे जहरीला धुआं फैलता है और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है। न्यू दाना मंडी सलेम टाबरी रिहायशी कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि यह समस्या अब केवल सफाई का मुद्दा नहीं रह गई, बल्कि यह सीधे तौर पर स्वास्थ्य और सुरक्षा का गंभीर संकट बन चुकी है।

स्मार्ट सिटी के नाम पर लाखों कर डाले खर्च

सवाल यह उठता है कि जब स्मार्ट सिटी के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, तो फिर इस तरह की लापरवाही क्यों? क्या जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी या फिर आम जनता इसी तरह परेशान होती रहेगी? स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो और इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेता है या फिर स्मार्ट सिटी के दावे केवल कागजों तक ही सीमित रहेंगे।

गांव बूंट की सरकारी खड्ड में अवैध माइनिंग के आरोप, कई गांव पंचायतें हुईं एकजूट, डीसी को सौंपा मांग पत्र

लुधियाना/यूटर्न/7 मई। थाना मेहरबान क्षेत्र अंतर्गत आते गांव बूट की सतलुज दरिया पर सरकारी खड् ड पर अवैध माइनिंग का विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इस मामले संबंधी कई गांवों की पंचायत और वासियों द्वारा इकट् ठे होकर विरोध शुरू कर दिया है। आरोप है कि अवैध माइनिंग दरिया के किनारों पर और देर रात को हो रही है, जबकि पाबंदीशुदा पोकलेन मशीन इस्तेमाल हो रही है। वहीं गांव वासियों ने प्रशासनिक अधिकारियों पर भी मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। लोगों द्वारा इस संबंधी डीसी लुधियाना को एक मांगपत्र सौंपा है। जिसमें अवैध माइनिंग रोकने की मांग की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर माइनिंग न रुकी तो संघर्ष तेज किया जाएगा और सड़के जाम की जाएंगी। समस्त ग्राम पंचायतों के सरपंच जिसमें गांव चूहरवाल, सुजातवाल, मांगट, सत्तोवाल, ढेरी, साधु सिंह नगर, सीड़ा, बाजड़ा, अनेक कॉलोनी, मेहरबान आदि की ओर से मिलकर आरोप लगाए गए कि गांव बूट क्षेत्र में नवयुग कंपनी की और से नाजायज माइनिंग की जा रहा है। आरोप है कि नदी के भीतर लगभग 100-100 फीट तक गहरे गड्ढे खोदे जा रहे हैं, जिससे इलाके की प्राकृतिक संरचना और सुरक्षा व्यवस्था को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

माइनिंग विभाग ने नहीं लिया एक्शन

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा पोकलेन मशीनों के उपयोग पर रोक लगा रखी है। लेकिन फिर भी सरेआम दिन-रात उक्त मशीनों के जरिए अवैध खनन का कार्य जारी है। पंचायतों ने यह भी दावा किया है कि कई बार स्थानीय स्तर पर इस कार्य को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन इसके बावजूद खनन गतिविधियां नहीं रुकीं। इस संबंधी माइनिंग विभाग के चीफ, एक्सियन, एसडीओ को भी शिकायतें दी, यहां तक कि प्रूफ भी दिए। लेकिन फिर भी उन्होंने एक्शन नहीं लिया। जिससे आशंका है कि उनकी भी मिलीभगत है।

बाढ़ से सभी गांव बह जाएंगे

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्षों में ससराली कॉलोनी क्षेत्र में बंध टूटने की घटना हुई। जिससे गांव बह गया। लोगों की फसलें खराब हो गई। इस बार भी अगर यहीं हालात रहे तो बरसात के मौसम में यदि नदी का जलस्तर बढ़ा तो आसपास के कई गांवों में बाढ़ का खतरा बन सकता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कर अवैध खनन को पूरी तरह बंद कराया जाए और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

नियमों के मुताबिक चल रही खड्ड

वहीं दूसरी तरफ गांव बूंट की सरकारी खड्ड के ठेकेदार लखवीर सिंह का कहना है कि खड्ड नियमों के मुताबिक चल रही है। आरोप लगाने वाले लोग खुद अवैध माइनिंग करते रहे हैं। सरकार ने उनका धंधा बंद कर दिया तो अब वह जानबूझकर झूठे आरोप लगाकर सरकारी खड्ड बंद कराना चाहते हैं, ताकि उनकी अवैध माइनिंग दोबारा से चल पड़े।

डेराबस्सी के लॉन्गोवाल कॉलेज में 'ए न्यू होराइजन्स-फेयरवेल पार्टी 2026' का भव्य आयोजन

डेराबस्सी/यूटर्न/07 मई। लॉन्गोवाल ग्रुप ऑफ कॉलेजिस के अंतर्गत आने वाले लॉन्गोवाल पॉलिटेक्निक एंड फामर्सी कॉलेज (एलपीपीसी), डेराबस्सी में अंतिम वर्ष के इंजीनियरिंग छात्रों को यादगार विदाई देने के लिए 'ए न्यू होराइजन्स-फेयरवेल पार्टी 2026' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज प्रबंधन और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर चेयरपर्सन श्रीमती कंता कत्याल, वाइस चेयरमैन डॉ. कपिल कत्याल, एलपीपीसी की प्रिंसिपल डॉ. रोजी कत्याल और एलएसी के प्रिंसिपल एवं एडमिशन डायरेक्टर डॉ. विनोद कत्याल विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने और सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे माहौल उत्साह और उमंग से भर गया। फेयरवेल समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्रों को अलग-अलग खिताबों से सम्मानित किया गया। मिस फेयरवेल का खिताब कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग की बाबिता को, जबकि मिस्टर फेयरवेल का खिताब पिनाक व्यास को दिया गया। अन्य उपाधियों में काजल को मिस कॉन्फिडेंट, हरप्रीत कौर को मिस टैलेंटेड और बाबिता को मिस ब्यूटीफुल आउटफिट चुना गया।

वहीं पुरुष वर्ग में चेतन राज को मिस्टर टैलेंटेड, सत्यम राणा को मिस्टर कॉन्फिडेंट, विकाश को मिस्टर स्टाइलिश, सतविंदर सिंह को मिस्टर हैंडसम और पुष्कर को मिस्टर ट्रेंडसेटर के खिताब से नवाजा गया। कॉलेज प्रबंधन ने मैकेनिकल विभाग के छात्र सत्यम राणा को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए ₹5100 की नकद राशि देकर विशेष रूप से सम्मानित किया। इसके अलावा, शिक्षा और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को 'स्टार परफॉर्मर अवॉर्ड' भी प्रदान किए गए।

आर्मी पब्लिक स्कूलों में पंजाबी को वैकल्पिक बनाने पर उठे सवाल, पूर्व सांसद त्रिलोचन सिंह ने रक्षा मंत्री से मांगा हस्तक्षेप

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। पंजाब के आर्मी पब्लिक स्कूलों में पंजाबी भाषा की अनिवार्यता खत्म किए जाने के मुद्दे ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप ले लिया है। पद्म भूषण से सम्मानित पूर्व सांसद त्रिलोचन सिंह ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर इस फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। पूर्व सांसद ने अपने पत्र में कहा कि आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी द्वारा जारी नए निर्देशों के तहत पंजाब स्थित आर्मी पब्लिक स्कूलों में पंजाबी को अनिवार्य विषय की बजाय अतिरिक्त विषय के रूप में पढ़ाने की बात कही गई है। उन्होंने इसे विद्यार्थियों और समाज दोनों के हितों के खिलाफ बताया।

'पंजाबी सिर्फ भाषा नहीं, सैनिक विरासत का हिस्सा'

त्पूर्व सांसद रिलोचन सिंह ने कहा कि पंजाबी केवल संवाद की भाषा नहीं है, बल्कि यह वीरता, बलिदान और सैनिक परंपराओं से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने लिखा कि गुरु साहिबानों की वाणी और पंजाबी की मार्शल परंपराएं युवाओं को सेना में भर्ती होकर देश सेवा के लिए प्रेरित करती रही हैं। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह की रचनाएं और संदेश सैनिकों के भीतर साहस और आत्मविश्वास पैदा करते हैं। यही कारण है कि युद्ध और तनावपूर्ण परिस्थितियों में आल इंडिया रेडियो और विभिन्न टीवी चैनलों पर गुरु ग्रंथ साहिब और दशम ग्रंथ के शबद प्रसारित किए जाते रहे हैं, ताकि जवानों का मनोबल ऊंचा रखा जा सके।

'पंजाब और सेना का रिश्ता ऐतिहासिक'

पूर्व सांसद ने कहा कि पंजाब और भारतीय सेना का रिश्ता ऐतिहासिक रहा है। देश की सुरक्षा में पंजाब के सैनिकों ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है और आज भी बड़ी संख्या में पंजाब के युवा सेना में भर्ती होकर देश सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में सेना से जुड़े शिक्षण संस्थानों में पंजाबी भाषा को कमजोर करना उचित नहीं माना जा सकता। उनका कहना है कि यदि स्कूलों में पंजाबी शिक्षण को नजरअंदाज किया गया तो आने वाली पीढ़ियां अपनी मातृभाषा और सांस्कृतिक विरासत से दूर हो सकती हैं।

रक्षा मंत्री से पुराने आदेश बहाल करने की मांग

त्रिलोचन सिंह ने रक्षा मंत्री से अपील की कि वे व्यक्तिगत हस्तक्षेप कर पुराने सिस्टम को बहाल करें और पंजाब के आर्मी पब्लिक स्कूलों में पंजाबी को फिर से अनिवार्य विषय के रूप में जारी रखने के निर्देश दें। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मुद्दे को केवल भाषा विवाद के रूप में नहीं बल्कि देश की सांस्कृतिक और सैनिक विरासत से जुड़े विषय के तौर पर देखेगी और सकारात्मक निर्णय लेगी।

लोक जनशक्ति पार्टी ने पंजाब की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। लोक जनशक्ति पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बड़ा राजनीतिक ऐलान किया है। पार्टी ने राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया है। पार्टी के पंजाब संयोजक रविन्द्र पाल सिंह बावा ने बताया कि आगामी 14 जून 2026 को जालंधर में पंजाब राज्य सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों की शुरूआत 9 मई 2026 को जालंधर में आयोजित कार्यक्रमों और समीक्षा बैठक के साथ की जाएगी। सुबह 11 बजे रेड क्रॉस भवन में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक होगी, जिसमें सदस्यता अभियान और पंजाब इकाई के विस्तार को लेकर रणनीति बनाई जाएगी।

जालंधर में निकलेगा 100 गाड़ियों का काफिला

कार्यक्रम के अनुसार सुबह 9 बजे पार्टी कार्यकर्ता देवी तलब मंदिर में एकत्रित होंगे। इसके बाद 100 वाहनों का काफिला मंदिर से रवाना होकर वाल्मीकि मंदिर, डॉ. बी.आर. अंबेडकर चौक और गुरु रविदास भवन पहुंचेगा, जहां विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जाएगा।

कई राष्ट्रीय नेता होंगे शामिल

बैठक में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इनमें राष्ट्रीय महासचिव डॉ. के.पी. चौधरी, वीरेंद्र बिधूड़ी, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रणव कुमार, श्रमिक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पासवान, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रभा भाटिया और अन्य पदाधिकारी शामिल रहेंगे। पार्टी नेताओं के अनुसार इस दौरान सदस्यता अभियान की शुरूआत के साथ-साथ पंजाब प्रदेश समिति और विभिन्न मोर्चों के गठन की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

पीएयू के वीसी डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने पूरी की जनगणना 2027 की स्व-गणना, नागरिकों से भागीदारी की अपील

लुधियाना/यूटर्न/07 मई। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की और नागरिकों से इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने बताया कि स्व-गणना का चरण 30 अप्रैल 2026 से 14 मई 2026 तक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से चल रहा है, जहां लोग घर बैठे मोबाइल नंबर और ओटीपी सत्यापन के जरिए अपने परिवार से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में आवासीय स्थिति, घरेलू सुविधाएं, संपत्ति और अन्य बुनियादी जानकारियां शामिल हैं, जो भविष्य की विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण में सहायक होंगी।

सेक्टर 39 थाना पुलिस को सफलता, कमाणिदार चाकू के साथ आरोपी गिरफ्तार

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। सेक्टर 39 थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध कमाणिदार चाकू चाकू बरामद किया है। यह कार्रवाई एसएसपी कंवरदीप कौर के निर्देश पर एसपी सिटी के.एम. प्रियंका और एसडीपीओ साउथ वेस्ट धीरज कुमार की निगरानी में थाना सेक्टर-39 पुलिस की टीम ने की। टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी राजीव कुमार कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार बुधवार की रात करीब 9:40 बजे एएसआई निखिल यादव पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान सेक्टर-56 स्थित मंडी ग्राउंड के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे पंकज को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से बिना लाइसेंस या परमिट के एक कमानीनुमा चाकू बरामद हुआ। आरोपी की पहचान सेक्टर 25 निवासी पंकज के रूप में हुई है। सेक्टर 39 थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं 25, 54 और 59 के तहत मामला दर्ज किया है। जांच के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार पंकज के खिलाफ पहले भी चोरी और अन्य आपराधिक मामलों में कई एफआईआर दर्ज हैं। इनमें सेक्टर-39, सेक्टर-17 और सेक्टर-11 थानों में दर्ज मामले शामिल हैं।

डड्डूमाजरा डंपिंग ग्राउंड के निस्तारण कार्य में तेजी, मुख्य अभियंता ने दिए जल्द पूरा करने के निर्देश

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। नगर निगम चंडीगढ़ ने डड्डूमाजरा डंपिंग ग्राउंड के निस्तारण कार्य में तेजी लाते हुए अधिकारियों को शेष काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार शाम नगर निगम के मुख्य अभियंता Sanjay Arora ने डड्डूमाजरा डंपिंग ग्राउंड का दौरा कर चल रहे रिमेडिएशन कार्यों का निरीक्षण किया और प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) शाखा के अधिकारियों ने बताया कि पुराने कचरे की बायोमाइनिंग प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि अब मशीनरी के नीचे मौजूद सामग्री को भी प्रोसेस किया जाएगा। इसके साथ ही साइट की वैज्ञानिक तरीके से ड्रेसिंग और शिफ्टिंग का काम भी किया जा रहा है, ताकि पूरे क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से पुनर्स्थापित किया जा सके।

मुख्य अभियंता ने मौके पर देखा कि प्रोसेस किए गए मटेरियल की लिफ्टिंग और ट्रांसपोर्टेशन का काम तेजी से जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बचा हुआ कार्य तय मानकों के अनुसार समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। संजय अरोड़ा ने साफ कहा कि सक्षम प्राधिकारी की संतुष्टि तक परियोजना से संबंधित भुगतान रोके जाएंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि गुणवत्ता और जवाबदेही से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा और पूरा काम निर्धारित मानकों के अनुसार ही पूरा होना चाहिए।

जीरकपुर में सफाई व्यवस्था ठप, कच्चे कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

कूड़े के ढेर और बदबू से लोग परेशान, बीमारियों का खतरा बढ़ा

जीरकपुर/यूटर्न/07 मई। नगर परिषद के कच्चे कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रहने से शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बलटाना, ढकोली, वीआईपी रोड, सिंहपुरा और पटियाला रोड सहित कई रिहायशी इलाकों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। सड़कों किनारे जमा कचरे से उठ रही बदबू ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है और संक्रमण व बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

नगर परिषद के अधीन कार्यरत कच्चे कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं।

> 'अभी मैं बाहर हूं। विधानसभा क्षेत्र में आने के बाद हड़ताल पर बैठे कच्चे कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी समस्या का समाधान निकाला जाएगा।'
> — कुलजीत सिंह रंधावा, विधायक, हल्का डेराबस्सी

कर्मचारियों का कहना है कि सरकार ने उन्हें पक्का करने का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। हड़ताल के चलते डोर-टू-डोर कूड़ा उठान पूरी तरह बंद है, वहीं कई वार्डों में नालियों की सफाई भी ठप पड़ी है। सबसे ज्यादा परेशानी बाजारों और रिहायशी कॉलोनियों में देखने को मिल रही है। कई जगहों पर लोग मजबूरी में घरों का कचरा खाली प्लॉटों और सड़कों के किनारे फेंक रहे हैं। बढ़ती गर्मी के बीच कचरे से उठ रही दुर्गंध के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

नगर परिषद कार्यालय का कामकाज भी प्रभावित हो गया है। दफ्तरों में पानी उपलब्ध कराने वाले कर्मचारी और सरकारी वाहनों के ड्राइवर भी हड़ताल में शामिल हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों की रफ्तार धीमी पड़ गई है।

लोगों ने जताई नाराजगी

बलटाना निवासी राजेश कुमार ने कहा कि दो दिन से मोहल्ले में कूड़ा नहीं उठाया गया, जिससे गंदगी के कारण मच्छरों की संख्या बढ़ रही है। ढकोली निवासी सीमा शर्मा ने बताया कि सुबह-शाम बदबू के कारण घर के बाहर खड़ा होना मुश्किल हो गया है और प्रशासन को तुरंत समाधान निकालना चाहिए। वीआईपी रोड के दुकानदार अमनदीप सिंह ने कहा कि बाजारों के बाहर जमा कचरे से ग्राहकों पर गलत असर पड़ रहा है और सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है। सिंहपुरा निवासी कविता अरोड़ा ने चेतावनी दी कि बरसात से पहले यदि सफाई व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो बीमारियों का खतरा और बढ़ सकता है।

पंजाब में सफाई कर्मियों का हल्ला बोल: दूसरे दिन थमा नगरों का पहिया

जिला प्रधान अरुण गिल की सरकार को दो टूक-₹ धक्केशाही बंद करे सरकार, वरना भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/7/मई। अपनी जायज मांगों को लेकर पंजाब भर के सफाई सेवकों और म्युनिसिपल कर्मचारियों द्वारा शुरू की गई अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन और भी उग्र हो गई है। 'सफाई सेवक यूनियन' और 'म्युनिसिपल एक्शन कमेटी पंजाब' के बैनर तले 6 मई से शुरू हुए इस आंदोलन को मीडिया का चौतरफा समर्थन मिल रहा है, जिससे प्रदर्शनकारी कर्मचारियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

सरकार की वादाखिलाफी पर फूटा गुस्सा

यूनियन के जिला प्रधान अरुण गिल ने पंजाब सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार पिछले कई सालों से सफाई कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा: न तो कच्ची भर्तियों को पक्का किया जा रहा है और न ही वेतन और अन्य बुनियादी सुविधाएं समय पर मिल रही हैं। अगर सरकार ने अब भी हमारी जायज मांगों को नजरअंदाज किया, तो आने वाले दिनों में इस संघर्ष को इतना तेज किया जाएगा कि इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

अरुण गिल ने विशेष रूप से मीडिया का आभार जताते हुए कहा कि आज सोशल मीडिया से लेकर प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक, हर तरफ सफाई सेवकों की आवाज गूंज रही है। मीडिया ने कर्मचारियों के दर्द को जनता और सरकार के कानों तक पहुँचाया है, जिससे आंदोलन में नया जोश भर गया है। इससे राज्य भर के नगर निगम और नगर परिषद कर्मचारियों में अपनी जीत की नई उम्मीद जागी है।

बढ़ता जा रहा है समर्थन का दायरा: गिल ने बताया कि अब समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि और कई राजनीतिक नेता भी कर्मचारियों के समर्थन में उतर आए हैं और सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक मांगों का कोई ठोस समाधान नहीं निकलता, तब तक हड़ताल और धरने समाप्त नहीं होंगे।

दिग्गज नेताओं ने किया संबोधित:

आज के धरने को संबोधित करने वाले मुख्य वक्ताओं में शामिल थे:

कमलजीत खन्ना,
पुरुषोत्तम लाल खलीफा,
परमजीत सिंह रिम्पी लद्धड़,
कुलवंत सिंह सहोता,
राज कुमार, संतोष राम और अरुण गिल

इन नेताओं ने पंजाब सरकार की 'कर्मचारी विरोधी' नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और संकल्प लिया कि वे अपने हक के लिए आखिरी दम तक लड़ेंगे।

हरियाणा के राज्यपाल से मिले 2025 बैच के आईएएस प्रोबेशनर्स

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। वर्ष 2025 बैच के छह आईएएस प्रोबेशनर्स, जिन्हें हरियाणा कैडर आवंटित किया गया है, ने आज यहां लोक भवन में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से शिष्टाचार भेंट की। प्रोबेशनर्स अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए राज्यपाल ने उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से करने तथा अपनी सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. असीम कुमार घोष ने युवा अधिकारियों को लोक प्रशासन में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी सुशासन सुनिश्चित करने, जनसेवाओं की प्रभावी एवं समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करने तथा कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं को आमजन तक उनकी वास्तविक भावना के अनुरूप पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

राज्यपाल ने आईएएस प्रोबेशनर्स को सार्वजनिक सेवा के दौरान मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को उज्ज्वल एवं सफल प्रशासनिक करियर के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव विजय कुमार भाविकट्टी, कार्मिक, प्रशिक्षण एवं संसदीय कार्य विभाग के सचिव पंकज तथा आईएएस प्रोबेशनर्स अमिततेज पांगटे, मुस्कान श्रीवास्तव, शिवानी पांचाल, सोहम शैलेंद्र, विशाल सिंह और विवेक यादव उपस्थित थे।

राहों नगर कौंसिल के लिए सुशील कुमार मल्होत्रा कांग्रेस के ऑब्जर्वर नियुक्त

लुधियाना/यूटर्न/07 मई। राजा अमरिंदर सिंह वड़िंग, अध्यक्ष पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आगामी नगर पालिका चुनावों को देखते हुए सुशील कुमार मल्होत्रा को राहों नगर कौंसिल के लिए कांग्रेस पार्टी का ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। इस संबंध में जानकारी महासचिव (संगठन) कैप्टन संदीप सिंह संधू ने आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। सुशील कुमार मल्होत्रा पिछले लगभग 45 वर्षों से कांग्रेस पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत एनएसयूआई से की, जहां वे लुधियाना इकाई के अध्यक्ष रहे। इसके बाद उन्होंने पंजाब एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस और प्रदेश कांग्रेस में सचिव, महासचिव व उपाध्यक्ष जैसे कई अहम पदों पर कार्य किया। मल्होत्रा ने पंजाब के कई जिलों के अलावा हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र में भी ऑब्जर्वर व कोऑर्डिनेटर के रूप में जिम्मेदारियां निभाई हैं। उन्होंने विभिन्न सरकारी समितियों और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। नियुक्ति पर मल्होत्रा ने कांग्रेस हाईकमान का आभार जताते हुए कहा कि वे संगठन को मजबूत करने और जमीनी कार्यकताओं को आगे लाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे।

नशा तस्करों को चंडीगढ़ पुलिस की दो टूक: 'नशा बेचना बंद करो या इलाका छोड़ दो', मौलीजागरां में फ्लैग मार्च

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। चंडीगढ़ में नशे के खिलाफ पुलिस ने अब आर-पार की लड़ाई छेड़ दी है। शहर में बढ़ते नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए बुधवार को मौलीजागरां थाना पुलिस ने बड़े स्तर पर फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और नशा तस्करों को खुली चेतावनी दी गई कि या तो वे नशे का धंधा बंद कर दें या फिर इलाका छोड़ दें।

फ्लैग मार्च का नेतृत्व थाना प्रभारी जसकरण सिंह ने किया। इस दौरान पुलिस की विभिन्न टीमें, जवान और अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस ने मौलीजागरां के सेंसी मोहल्ला, विकास नगर और आसपास के संवेदनशील इलाकों में पैदल मार्च करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जगह-जगह लोगों से बातचीत कर उन्हें नशे के खिलाफ जागरूक भी किया गया।

थाना प्रभारी जसकरण सिंह ने बताया कि डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा के निर्देशों पर पूरे क्षेत्र में लगातार नाकाबंदी, चेकिंग और सर्च अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का मकसद साफ है कि किसी भी हालत में नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों को इलाके में पनपने नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि पुलिस को लगातार नशा तस्करी की सूचनाएं मिल रही हैं और अब ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा जो लोग युवाओं को नशे की दलदल में धकेल रहे हैं, उनके खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। अगर कोई व्यक्ति नशा बेचते पकड़ा गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की कि यदि इलाके में कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। चंडीगढ़ पुलिस के इस सख्त रुख के बाद इलाके में चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ ऐसे अभियान लगातार चलने चाहिए ताकि युवाओं को बचाया जा सके और इलाके में शांति व सुरक्षा बनी रहे।

वार्ड-6 में उभरे मजबूत चेहरा गगन चावला, विकास और साफ छवि के दम पर चुनावी मैदान में उतरे

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/07 मई। नगर निगम चुनाव को लेकर पंचकूला में सियासी सरगर्मियां अपने चरम पर हैं। इस बार वार्ड-6 सबसे चर्चित सीटों में शामिल हो गया है, जहां मुकाबला बेहद दिलचस्प माना जा रहा है। इसी बीच आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी गगन चावला लगातार चर्चा में बने हुए हैं और क्षेत्र में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहे हैं। गगन चावला अपनी साफ-सुथरी छवि, सरल व्यवहार और जनता के बीच सक्रिय मौजूदगी के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान वे लगातार वार्ड के अलग-अलग इलाकों में जाकर लोगों से मुलाकात कर रहे हैं और उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गगन चावला जमीनी स्तर पर काम करने वाले व्यक्ति हैं, जो चुनावी वादों से ज्यादा विकास की बात कर रहे हैं।

गगन चावला का कहना है कि अगर जनता उन्हें मौका देती है तो वार्ड-6 को मॉडल वार्ड के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि लंबे समय से क्षेत्र में सड़कें टूटी हुई हैं, जलभराव की समस्या बनी रहती है, सफाई व्यवस्था प्रभावित है और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी लोगों को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद इन सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि लोगों के भरोसे पर खरा उतरना है। गगन चावला के अनुसार वार्ड में पारदर्शी व्यवस्था और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी ताकि लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

चुनाव प्रचार के दौरान आम आदमी पार्टी अपनी 16 गारंटियों को भी प्रमुखता से जनता के बीच रख रही है। इनमें भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई, डोर-स्टेप नगर निगम सेवाएं, हर वार्ड में हेल्पलाइन ऑफिस, घर-घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था, मजबूत सड़कें, जलभराव मुक्त पंचकूला और पार्किंग शुल्क मुक्त शहर जैसे वादे शामिल हैं।

इसके अलावा पार्टी ने प्रॉपर्टी आईडी और पहचान पत्र की प्रक्रिया को आसान बनाने, हर डिस्पेंसरी में इमरजेंसी मेडिकल सुविधा देने, आवारा पशु मुक्त शहर बनाने और ईवी ट्रांसपोर्ट सेवा शुरू करने का भी भरोसा दिया है। धार्मिक स्थलों के विकास को ध्यान में रखते हुए माता मनसा देवी मंदिर के आसपास सौंदर्यकरण और वीआईपी पार्किंग शुल्क समाप्त करने की घोषणा भी की गई है।

वार्ड-6 में लगातार बढ़ रही चुनावी गतिविधियों के बीच गगन चावला का प्रचार अभियान तेजी पकड़ता नजर आ रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस सीट पर जनता का मूड अंतिम दिनों में चुनावी समीकरण बदल सकता है, लेकिन फिलहाल गगन चावला को मिल रहा समर्थन मुकाबले को बेहद रोचक बना रहा है।

सिटीयू ने बढ़ाई रफ्तार: बेड़े में शामिल हुईं 40 नई हाईटेक बसें, अब 7 राज्यों का सफर होगा और आसान

चंडीगढ़/यूटर्न/07 मई। चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग ने यात्रियों को बेहतर और आरामदायक सफर देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। वीरवार को सीटीयू के बेड़े में 40 नई अत्याधुनिक बसों को शामिल किया गया, जिन्हें यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नई बसों के शामिल होने से अब चंडीगढ़ से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत सात राज्यों के लिए सफर और सुगम हो जाएगा। सीटीयू अधिकारियों के मुताबिक यात्रियों को अब कम किराए में वॉल्वो जैसी लग्जरी सुविधाओं का अनुभव मिलेगा। इन बसों के साथ सीटीयू की लंबी दूरी की बसों की संख्या 167 से बढ़कर 207 हो गई है। इससे इंटरस्टेट कनेक्टिविटी को मजबूती मिलने के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में भी बड़ा सुधार माना जा रहा है। सीटीयू का दावा है कि नई बसों के संचालन से विभाग की दैनिक परिचालन क्षमता में करीब 18 हजार किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा परिवहन विभाग को प्रतिदिन लगभग 6 लाख रुपये की अतिरिक्त आय होने का अनुमान है। नई बसों में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सीटिंग व्यवस्था, बेहतर सस्पेंशन, आरामदायक इंटीरियर और लंबी दूरी के सफर के लिए उन्नत सुविधाएं दी गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन बसों के शुरू होने से निजी वाहनों पर निर्भरता भी कम होगी और यात्रियों को सुरक्षित व किफायती सफर का विकल्प मिलेगा। चंडीगढ़ प्रशासन का मानना है कि सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने की दिशा में यह एक अहम कदम है, जिससे ट्राइसिटी समेत आसपास के राज्यों के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

डीएम रंधावा सुसाइड केस में भुल्लर परिवार की मुश्किलें बढ़ीं, पूर्व मंत्री के पिता की गिरफ्तारी पर रोक से हाईकोर्ट का इनकार

मोहाली/यूटर्न/7 मई। पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अधिकारी गगनदीप सिंह रंधावा आत्महत्या मामले में पंजाब के कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के पिता सुखदेव सिंह भुल्लर को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट ने वीरवार को मामले की सुनवाई शुक्रवार तक टाल दी। साथ ही गिरफ्तारी पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया। ऐसे में सुखदेव सिंह भुल्लर पर गिरफ्तारी की तलवार अब भी लटकी हुई है। ट्रायल कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद सुखदेव सिंह भुल्लर ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने दलील दी कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है और वे जांच में शामिल होने के लिए तैयार हैं, इसलिए उन्हें अग्रिम जमानत दी जाए। हालांकि कोर्ट ने इस स्तर पर कोई अंतरिम राहत देने से परहेज किया।

सुसाइड से पहले बनाया था वीडियो

पूरा मामला पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के 45 वर्षीय अधिकारी गगनदीप सिंह रंधावा की मौत से जुड़ा है। रंधावा ने 21 मार्च को अमृतसर स्थित अपने घर में कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या से पहले उन्होंने मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। वीडियो में उन्होंने कथित रूप से कहा था कि वह मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के डर के कारण यह कदम उठा रहे हैं।

Uturn Time 08 May 2026_Layout 2 07-05-2026 23:13 Page 11

जीरकपुर के बलटाना में ट्रक की टक्कर से टूटी बिजली लाइनें, इलाके में मचा हड़कंप

करीब साढ़े छह घंटे गुल रही बिजली, लोगों को गर्मी में झेलनी पड़ी परेशानी

जीरकपुर/यूटर्न/07 मई। बलटाना के मॉडर्न एंक्लेव में शुक्रवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब लोहे से भरा एक ट्रक बिजली के खंभे से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभे से बिजली की तारें टूटकर सीधे ट्रक के ऊपर गिर गईं। हालांकि, गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ और ट्रक चालक समेत आसपास मौजूद लोग सुरक्षित बच गए। स्थानीय लोगों के अनुसार यह घटना सुबह करीब 7 बजे की है। हादसे के तुरंत बाद पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति बंद करनी पड़ी। मॉडर्न एंक्लेव और आसपास के क्षेत्रों में दोपहर करीब 1:30 बजे तक बिजली गुल रही। करीब साढ़े छह घंटे तक बिजली बाधित रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। निवासियों ने बताया कि बिजली बंद रहने से पानी की सप्लाई, घरेलू कामकाज और दुकानदारों का कामकाज प्रभावित हुआ। भीषण गर्मी के बीच लंबे समय तक बिजली कटौती ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं।

> मामले संबंधी शिकायत हमें प्राप्त हुई है। मॉडर्न एंक्लेव में सत्या ज्वैलर वाली गली की बिजली सुबह 7 बजे से प्रभावित हुई थी, जिसे करीब 2 बजे बहाल कर दिया गया। बलटाना चौंकी में ट्रक चालक के खिलाफ लिखित शिकायत दे दी गई है। नुकसान का एस्टीमेट तैयार किया जा रहा है और इसकी जानकारी ट्रक मालिक को देकर भरपाई करवाई जाएगी।
>
> — आशीष यादव, जेई, बिजली विभाग

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि रिहायशी इलाकों में भारी वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि भारी ट्रकों की एंट्री पर सख्ती की जाए और कमजोर बिजली खंभों व तारों की समय-समय पर जांच कराई जाए।

घटना की सूचना मिलने पर बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त तारों को हटाकर मरम्मत कार्य शुरू किया। सुरक्षा के मद्देनजर कुछ समय तक बिजली सप्लाई बंद रखी गई, ताकि किसी प्रकार की करंट लगने की घटना न हो।

बठिंडा पुलिस ने 02 लोगों को गिरफ्तार किया और करीब एक क्विंटल (98 kg) अफीम की भूसी के साथ एक कार जब्त की

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/07 मई। पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू किए गए अभियान 'ड्रग्स के खिलाफ जंग' के तहत, माननीय श्री गौरव यादव IPS, DGP. पंजाब जी के निर्देशों के अनुसार, डॉ. ज्योति यादव बैंस, IPS, SSP बठिंडा के मार्गदर्शन में और श्री नरिंदर सिंह, PPS, SP सिटी बठिंडा की देखरेख में, पुलिस स्टेशन कोटफत्ता और चौकी इंडस्ट्रियल एरिया, पुलिस स्टेशन सदर बठिंडा की पुलिस टीमों ने मिलकर नाकाबंदी की और 02 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 98 kg अफीम की भूसी, एक कार और 50,000/- ड्रग मनी बरामद की, जिसमें बड़ी सफलता मिली।

06/07.05.2026 की रात को संदिग्ध लोगों और गाड़ियों की चेकिंग के लिए की गई स्पेशल नाकाबंदी के दौरान, पुलिस स्टेशन कोटफत्ता और चौकी इंडस्ट्रियल एरिया, पुलिस स्टेशन सदर बठिंडा की पुलिस टीमों को एक बड़ी कामयाबी मिली, जब पुलिस टीमों ने नाकाबंदी के दौरान जस्सी चौक बठिंडा पर एक कार नंबर HR-25G-9720 से दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 07 बैग अफीम की भूसी (वजन 98 kg) और कार से 50,000/- ड्रग मनी बरामद की। इस संबंध में, उक्त लोगों बीला सरां पुत्र हरचरण सिंह और हरगोबिंद सिंह उर्फ घीला पुत्र हरदेव सिंह, निवासी सिरसा (हरियाणा) के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जिनसे आगे-पीछे के लिंक के बारे में पूछताछ की जा रही है। ऊपर बताए गए लोगों को आज माननीय कोर्ट में पेश करके पुलिस कस्टडी में लिया जाएगा, जिनसे और भी अहम खुलासे होने की संभावना है।

पुलिस को देखकर भागा शराब तस्कर, खाई में पलटी कार, 60 बोतल देसी शराब बरामद, गिरफ्तार

पंजाब/यूटर्न/7 मई। बरनाला पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की कार पुलिस से भागते समय अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई, जिसके बाद उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 60 बोतल देसी शराब बरामद की है। यह घटना रायकोट-बरनाला रोड पर पुल ड्रेन भद्दलवड्ड के नजदीक हुई। पुलिस स्टेशन ठुल्लीवाल के एसएचओ ने बताया कि आरोपी पुलिस नाकाबंदी देखकर कार सहित फरार होने की कोशिश कर रहा था। तेज रफ्तार के कारण उसकी कार अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। थाना ठुल्लीवाल के इंस्पेक्टर गुरपाल सिंह धनौला ने जानकारी दी कि सब-इंस्पेक्टर जसविंदर सिंह पुलिस पार्टी सहित बस स्टैंड अमला सिंह वाला के पास गश्त और चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक मुखबिर से सूचना मिली। मुखबिर ने बताया कि गुरप्रीत सिंह निवासी बीहला, हरियाणा और चंडीगढ़ से सस्ती शराब लाकर महल कलां और ठुल्लीवाल इलाके में महंगे दामों पर बेचता है। सूचना मिली थी कि आरोपी उसी दिन भी शराब की खेप लेकर कार में इलाके की तरफ आ रहा है।

दीपिका का बोल्ड लुक वायरल, फैंस बोले—स्टाइल का कोई जवाब नहीं!

सोशल मीडिया पर एक ग्लैमरस तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है, जिसे Deepika Padukone से जोड़कर देखा जा रहा है। बोल्ड अवतार और कॉन्फिडेंट अंदाज ने इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। हालांकि, तस्वीर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि यह उनका लेटेस्ट फोटोशूट है या पुरानी तस्वीर। फैंस कमेंट्स में उनकी फिटनेस और स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गॉसिप गलियारों में यह भी चर्चा है कि यह लुक किसी नए प्रोजेक्ट का हिस्सा हो सकता है।

Uturn Time 08 May 2026_Layout 2 07-05-2026 23:13 Page 12

विदेश में बैठे गैंगस्टरों ने 12वीं के छात्र को हत्यारा बनाया, चंडीगढ़ पुलिस ने पकड़ा

चंडीगढ़/यूटर्न/7 मई। सोशल मीडिया के जरिए विदेश में बैठे गैंगस्टर कैसे कमजोर युवाओं को बहकाकर कॉन्ट्रैक्ट किलर बना रहे हैं, इसका एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। चंडीगढ़ पुलिस ने 12वीं कक्षा के एक नाबालिग छात्र को पकड़ा है। यह छात्र तरनतारन ज़िले के पट्टी इलाके में जा रहा था, जहाँ उसे विदेश से ऑपरेट कर रहे दो गैंगस्टरों के कहने पर एक हत्या को अंजाम देना था। पंजाब का रहने वाला यह नाबालिग छात्र 6 मई को चंडीगढ़ पुलिस की ऑपरेशन सेल टीम की नियमित गश्त के दौरान वळ इलाके में पकड़ा गया। पुलिस को गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर यह कामयाबी मिली। पता चला कि वह गैंगस्टर प्रभ दासुवाल और गुरविंदर सिंह उर्फ अफरीदी टूटावाला के लगातार संपर्क में था। ये दोनों गैंगस्टर विदेश से अपना गैंग चला रहे हैं। नाबालिग छात्र 5 मई को घर से निकला था ताकि उसे सौंपा गया हत्या का काम पूरा कर सके।

इंस्टाग्राम जरिए गैंग से जुड़ा

यह मामला गैंग में भर्ती करने के एक परेशान करने वाले तरीके को उजागर करता है। यह नाबालिग छात्र, जिसने हाल ही में 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा दी थी, महज दो महीने पहले ही इंस्टाग्राम के जरिए इस गैंग के संपर्क में आया था। इस दुनिया में उसकी एंट्री का कारण एक निजी रंजिश थी। अपने इलाके में कुछ लड़कों के हाथों पिटाई खाने के बाद, उसने बदला लेने के लिए गैंगस्टरों से संपर्क किया, जिन्होंने उसे अपने काम के लिए तैयार करना शुरू कर दिया।

मार्च में भेजा खेमकरण

मार्च में, उन्होंने उसे खेमकरण भेजा, जहाँ वह गैंग के साथियों लव भट्टी और अमन शर्मा के साथ रुका। उसके परिवार को उसके ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, इसलिए उन्होंने उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। वहाँ उसे अमरकोट बस स्टॉप के पास एक डॉक्टर की दुकान पर गोली चलाने के लिए कहा गया, लेकिन उसने मना कर दिया, क्योंकि उसने पहले कभी कोई हथियार नहीं चलाया था। इस बार, गैंग ने उसे पट्टी जाकर अपने एक विरोधी की हत्या करने का काम सौंपा। प्रभ दासुवाल ने उसे कई बार पैसे भी ट्रांसफर किए।

नाबालिग माता पिता को सौंपा

यह घटना चंडीगढ़ में हाल के हफ़्तों में गैंग से जुड़े अपराधों की एक कड़ी के बीच सामने आई है। जिनमें तीन गोलीबारी की घटनाएं, पंजाब इखढ दफ़्तर के बाहर एक ग्रेनेड धमाका, और 18 मार्च को सेक्टर 9 के एक जिम के बाहर प्रॉपर्टी डीलर चरणप्रीत सिंह उर्फ चिनी की कॉन्ट्रैक्ट किलिंग शामिल है। चूंकि आरोपी नाबालिग है, इसलिए उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। पुलिस ने परिवार को सलाह दी कि वे उसके लिए किसी पेशेवर काउंसलर की मदद लें।

हाईकोर्ट का मानवाधिकार आयोग से सवाल, क्या FIR दर्ज करने का आदेश दे सकता है, 17 साल पुराने जमीन विवाद

पंजाब/यूटर्न/7 मई। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में 17 साल पुराने जमीन विवाद से जुड़े मामले में एक कानूनी सवाल उठा है। हाईकोर्ट ने पूछा है कि क्या राज्य मानवाधिकार आयोग के पास सीधे एफआईआर दर्ज कराने का अधिकार है। अदालत ने इस मामले में पंजाब राज्य मानवाधिकार आयोग से जवाब मांगा है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश शील नागू और न्यायमूर्ति संजीव बेरी की खंडपीठ ने की। कोर्ट ने आयोग के वकील को जवाब दाखिल करने के निर्देश देते हुए अगली सुनवाई 14 मई तय की है। याचिका के अनुसार विवाद की शुरूआत अप्रैल 2007 में हुई थी। उस समय याचिकाकर्ता ने लुधियाना में तीन एकड़ से ज्यादा जमीन बेचने का समझौता किया था। इस सौदे के लिए एक करोड़ रुपए बतौर बयाना भी दिए गए थे। हालांकि बाद में पता चला कि जमीन से जुड़ा मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित था। याचिकाकर्ता का कहना है कि बाद में मूल खरीदार पीछे हट गया, जिसके बाद एक कंपनी के साथ नया समझौता किया गया।

कंपनी ने नहीं पूरा किया सौदा

याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट से फैसला आने के बाद भी कंपनी ने जमीन का सौदा पूरा नहीं किया। इसके बाद समझौता रद्द कर दिया गया। बाद में कंपनी ने सिविल कोर्ट में स्पेशल परफॉर्मेंस का केस दायर कर दिया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि वर्ष 2016 में एक तीसरे व्यक्ति ने कंपनी के साथ मिलकर उसी जमीन को लेकर अलग समझौता कर लिया।

पुलिस बोली आयोग ने दिए FIR के आदेश

याचिकाकर्ता के मुताबिक लुधियाना पुलिस ने जांच के बाद मामला दर्ज करने से इनकार कर दिया था। इसके बावजूद 24 दिसंबर 2024 को दिल्ली में एफआईआर दर्ज हुई। इसके बाद पंजाब राज्य मानवाधिकार आयोग ने 10 मार्च 2026 को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश जारी कर दिए। इसी आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। अब हाईकोर्ट के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मानवाधिकार आयोग सीधे एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दे सकता है या नहीं। अदालत इस मामले में आयोग की संवैधानिक और कानूनी शक्तियों पर विस्तार से विचार करेगी।

बीवीएम ,यूएसएन में दी गई श्री रवींद्रनाथ टैगोर जी को भावभीनी श्रद्धांजलि

लुधियाना/यूटर्न/7 मई। भारतीय विद्या मंदिर, ऊधम सिंह नगर में दिनांक 7 मई ,2026 को महान कवि, दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार विजेता श्री रवींद्रनाथ टैगोर जी की जयंती को अत्यंत श्रद्धा और बौद्धिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में विद्यालय में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय की अध्यापिका श्रीमती कुलविंदर गिल द्वारा एक ज्ञानवर्धक शिक्षक वार्ता प्रस्तुत की गई, जिसमें उन्होंने टैगोर जी के सार्वभौमिक दृष्टिकोण, उनकी साहित्यिक प्रतिभा और शिक्षा में उनके अग्रणी योगदान का विस्तृत वर्णन करते हुए छात्रों को रचनात्मकता, विचार की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय की नौवीं कक्षा की छात्रा प्लाक्षा ने टैगोर जी की रचनाओं की गहराई को कविता वाचन के माध्यम से प्रस्तुत करके सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर को आदरणीय प्रधानाचार्य श्री पवन सूद जी के प्रेरणादायक संदेश ने और भी समृद्ध बना दिया, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों से टैगोर जी के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेने का आग्रह करते हुए जिम्मेदार वैश्विक नागरिक तैयार करने में समग्र शिक्षा, नैतिक अखंडता और उत्कृष्टता की खोज के महत्व पर बल दिया।

नन्हे सितारों ने पानी में मचाया धमाल

जी.एच.जी अकादमी में 'पूल पार्टी' और 'जॉय राइड्स' की धूम

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/7/मई। गर्मी की तपिश के बीच नन्हे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरने के उद्देश्य से, जी.एच.जी अकादमी, जगरांव में एक शानदार 'पूल पार्टी' और 'जॉय राइड्स' उत्सव का आयोजन किया गया। प्री-नर्सरी से लेकर यू.के.जी (UKG) तक के नन्हे मुन्नों ने इस आयोजन में जमकर मस्ती की और सुनहरी यादें संजोईं।

रंग-बिरंगे परिधान और छप-छप का आनंद

स्कूल का परिसर उस समय जीवंत हो उठा जब बच्चे रंग-बिरंगे स्विमवियर पहनकर आए। शिक्षकों की सुरक्षित देखरेख में बच्चों ने पूल में उतरकर न केवल पानी की लहरों का आनंद लिया, बल्कि कई मजेदार वॉटर गेम्स भी खेले। पूरा वातावरण बच्चों की खिलखिलाहट से गूंज उठा।

जॉय राइड्स ने बढ़ाया रोमांच

पूल पार्टी के साथ-साथ विशेष तौर पर लगाई गई जॉय राइड्स बच्चों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। रोमांचक झूलों और गतिविधियों ने बच्चों के उत्साह को दोगुना कर दिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य: खेल-खेल में बच्चों के भीतर सामाजिक मेलजोल और आत्मविश्वास की भावना को विकसित करना था।

- *ऐसे आयोजन बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। हमारा उद्देश्य उन्हें एक सुरक्षित और खुशनुमा माहौल देना है जहाँ वे खुलकर अपनी बचपन की खुशियों का आनंद ले सकें। - रमनजोत कौर ग्रेवाल, प्रिंसिपल*

प्रबंधन द्वारा सराहना: स्कूल प्रबंधन के सदस्य गुरमेल सिंह मल्ही और प्रिंसिपल रमनजोत कौर ग्रेवाल ने इस सफल आयोजन के लिए स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों की खुशी और सुरक्षा स्कूल की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372